सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

अपनी तकनीक में बदलाव नहीं करुंगा : अभिषेक पेज: 7

युवराज सिंह की बायोपिक करना चाहते हैं सिद्धांत चतुर्वेदी पेज: 8

वर्ष : 01 | अंक : 314 | सोमवार 23 फरवरी 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

फिर बिगड़ी शरद पवार की तबीयत, इस समस्या के चलते अस्पताल में हुए भर्ती

मुंबई: राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता शरद पवार मंगलवार को पुणे के रूबी हॉल क्लिनिक पहुंचे। यहां उन्होंने नियमित रूटीन स्वास्थ्य जांच कराई। उल्टी की शिकायत के कारण उन्हें हल्का डिहाइड्रेशन हो गया था। डॉक्टरों ने उनकी सुरक्षा के लिए अगले दो दिनों तक अस्पताल में निगरानी में रहने की सलाह दी है। फिलहाल वह हॉस्पिटल के हॉल क्लिनिक में भर्ती हैं। शरद पवार के ब्लड टेस्ट और सीटी स्कैन कराए गए, और डॉक्टरों के अनुसार सभी रिपोर्ट सामान्य आई हैं। इस दौरान उनकी बेटी सुप्रिया सुले भी उनके साथ मौजूद रही। पिछले स्वास्थ्य अपडेट 85 वर्षीय नेता को पिछले हफ्ते भी इसी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उस समय उन्हें सांस लेने में दिक्कत और लगातार खांसी की शिकायत थी। आगे की जांच में पता चला कि उन्हें सीने में इन्फेक्शन था।

कांग्रेस ने एक वैश्विक आयोजन को अपनी गंदी और नंगी राजनीति का अखाड़ा बनाया : पीएम मोदी

नई दिल्ली एजेंसी: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को इंडिया एआई इंपैक्ट समिट में कांग्रेस के शर्टलेस प्रदर्शन पर जोरदार निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने भारत के एक वैश्विक आयोजन को अपनी गंदी और नंगी राजनीति का अखाड़ा बना दिया। पीएम मोदी ने आज मेरठ में करीब 12,930 करोड़ रुपए की परियोजनाओं का उद्घाटन और लोकार्पण किया। साथ ही भारत के पहले नमो भारत आरआरटीएस और संपूर्ण दिल्ली-मेरठ नमो भारत कॉरिडोर देश को समर्पित किया। इस दौरान उन्होंने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, एक तरफ आज देशवासी भारत को विकसित बनाने के लिए काम कर रहे हैं, लेकिन देश में ही कुछ राजनीतिक दल हैं जो भारत की सफलता को पचा नहीं पा

रहे। अभी आपने देखा कि भारत में दुनिया का सबसे बड़ा एआई इम्पैक्ट समिट हुआ। दुनिया भर के 80 से अधिक देशों के प्रतिनिधि दिल्ली आए। दुनिया के विकासशील देशों में ऐसा सम्मेलन आज तक कभी नहीं हुआ। पूरा देश गर्व से भर गया, लेकिन कांग्रेस और इसके इकोसिस्टम ने क्या किया? कांग्रेस ने भारत के एक वैश्विक आयोजन को अपनी गंदी और नंगी राजनीति का अखाड़ा बना दिया। उन्होंने आगे कहा, समारोह स्थल पर विदेशी अतिथियों के सामने कांग्रेस के नेता कपड़े उतारकर पहुंच गए। मैं कांग्रेस पार्टी से पूछना चाहता हूं कि आपको कपड़े उतारने की जरूरत क्यों पड़ी। कांग्रेस के नेताओं ने वहां पर जो कुछ

लेकिन देश में ही कुछ राजनीतिक दल हैं

इस दौरान उन्होंने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, एक तरफ आज देशवासी भारत को विकसित बनाने के लिए काम कर रहे हैं, लेकिन देश में ही कुछ राजनीतिक दल हैं जो भारत की सफलता को पचा नहीं पा रहे।

किया, वो दिखाता है कि देश की सबसे पुरानी पार्टी वैचारिक रूप से दिवालिया हो गई है। कांग्रेस तो अपने देश को ही बदनाम करने में जुटी है। पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस के नेताओं को मोदी से नफरत है, वे मेरी कब्र खोदना चाहते हैं, और उन्हें भाजपा और एनडीए से विरोध है। कांग्रेस को याद रखना चाहिए था कि एआई ग्लोबल समिट भाजपा का समारोह नहीं था। यह देश का कार्यक्रम था, देश के सम्मान का कार्यक्रम था। लेकिन, कांग्रेस ने परसों सारी मयार्दाएं तोड़ दी। आज पूरे देश में कांग्रेस की इस रीति-नीति पर थू-थू हो रही है, लेकिन दुर्भाग्य देखिए, इतनी पुरानी पार्टी के नेता लजाने के बजाय बेशर्मी के साथ गरजते हैं, और यह मामला कांग्रेस की हरकतों का लगातार चल रहा है। उन्होंने आगे कहा कि संसद में अपने साथी दलों को भी बोलने का मौका नहीं देते हैं। संसद को चलने नहीं देते हैं। इसका सबसे बड़ा नुकसान कांग्रेस के साथी दलों को हो रहा है। एआई समिट में कांग्रेस ने जो किया है, उससे साथी दल भी चौक गए हैं। सबने इससे किनारा कर लिया। पीएम मोदी ने कहा कि महिला सांसदों को भेज करके सीट पर कब्जा करके आप प्रधानमंत्री नहीं बन सकते हो। क्या आप लोग इतने खोखले हो गए हो कि माताओं-बहनों को इसके लिए आगे कर रहे हो। कांग्रेस देश के लिए बोझ बन गई है। एक बात की मुझे संतोष है कि दिल्ली में जो घटना घटी, कांग्रेस के सभी साथी दलों ने कांग्रेस की भरपूर आलोचना करने की हिम्मत दिखाई है। मैं इसके लिए उनका सार्वजनिक रूप से आभार व्यक्त करता हूं।

असम में चुनाव से पहले कांग्रेस को बड़ा झटका, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष भूपेन कुमार बोरा बीजेपी में हुए शामिल

नई दिल्ली एजेंसी: असम में चुनावों के पहले कांग्रेस के बड़ा झटका लगा है। असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष भूपेन कुमार बोरा ने रविवार को भारतीय जनता पार्टी का दामन थाम लिया है। गुवाहाटी में असम बीजेपी अध्यक्ष दिलीप सैकिया ने दूसरे सीनियर नेताओं की मौजूदगी में भाजपा में शामिल कराया। कुछ दिनों पहले ही बोरा ने इस्तीफा देकर कांग्रेस से 32 साल पुराना नाता खत्म किया था। उन्होंने सीनियर लीडरशिप के साथ मतभेदों को अपने बाहर निकलने का मुख्य कारण बताया। बोरा ने 2006 और 2016 के बीच लगातार दो टर्म तक बिहपुरिया असेंबली सीट का प्रतिनिधित्व किया। उन्हें अगस्त 2021 में असम कांग्रेस का प्रेसिडेंट बनाया गया था और पिछले साल मई

में उनकी जगह लोकसभा सांसद और पूर्व मुख्यमंत्री तरुण गोगोई के बेटे गौरव गोगोई को यह पद सौंप दिया गया था। कांग्रेस ने मुझे नजरअंदाज किया- बोरा बीजेपी में शामिल होने के बाद, बोरा ने कहा कि उन्होंने अपने राजनीतिक जीवन का एक बड़ा हिस्सा कांग्रेस को दिया है, लेकिन जब पार्टी के अंदर उन्हें भेदभाव का सामना करना पड़ा, तो उन्हें नजरअंदाज किया गया। उन्होंने कहा, मैंने राहुल गांधी जैसे नेताओं से बात की, लेकिन किसी ने मेरी बात सुनने या पार्टी की आइडियोलॉजी से जुड़े मुद्दों पर बात करने की जहमत नहीं उठाई। उन्होंने यह भी कहा कि उन्होंने शुरू में बीजेपी में शामिल होने के इरादे से कांग्रेस नहीं छोड़ी थी। यूथ कांग्रेस के जरिए सियासत में रखा कदम बोरा ने कहा कि उन्होंने ठरवकऔर बाद में यूथ कांग्रेस के जरिए अपनी सियासी पारी शुरू की, जिसके बाद वे असम और नॉर्थ ईस्ट में एक अहम ऑर्गेनाइजेशनल लीडर के तौर पर उभरे। उन्होंने 2021 से 2024 तक अढउउ प्रेसिडेंट के तौर पर काम किया और राज्य में मुश्किल दौर के दौरान उन्हें पार्टी का एक मजबूत ऑर्गेनाइजेशनल चेहरा माना जाता था। उनके नेतृत्व में, कांग्रेस ने पिछले संसदीय चुनावों में असम से तीन लोकसभा सीटें जीती थीं। उन्होंने 2006 से 2016 तक लगातार असम विधानसभा के सदस्य के तौर पर लखीमपुर जिले के बिहपुरिया निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया। पूर्व मुख्यमंत्री तरुण गोगोई के कार्यकाल के दौरान, उन्होंने संसदीय सचिव के रूप में भी काम किया और प्रवक्ता के रूप में पार्टी संचार में सक्रिय रूप से शामिल रहे।

असम में भूमि अतिक्रमण पर चलेगा सीएम हिमंत का 'बुलडोजर', 5 लाख बीघा जमीन होगी मुक्त

असम एजेंसी: असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने शनिवार को कहा कि राज्य में लगातार तीसरी बार सरकार बनने के बाद भाजपा अगले पांच वर्षों में पांच लाख बीघा अवैध रूप से कब्जा की गई भूमि को खाली कराएगी। 2026 के असम विधानसभा चुनावों से पहले, हिमंता बिस्वा सरमा ने कहा कि भाजपा अवैध बांग्लादेशियों को राज्य छोड़ने पर मजबूर करेगी। असम पुलिस मुख्यालय की 10वीं बटालियन के शिलान्यास समारोह को संबोधित करते हुए, मुख्यमंत्री ने चुनावों से पहले राज्य सरकार द्वारा किए गए कार्यों का विवरण दिया और कहा कि उन्होंने पिछले पांच वर्षों में 1.5 लाख बीघा भूमि से अतिक्रमणकारियों को हटाया है।

सरमा ने कहा कि हम सभी जानते हैं कि संदिग्ध अवैध अतिक्रमणकारियों ने कचुटोली में 708 बीघा जमीन पर कब्जा कर लिया था। लेकिन हमने उनसे 700 बीघा जमीन वापस ले ली। पिछले पांच वर्षों में हमने 1.10 लाख बीघा वन भूमि, 26,000 सरकारी भूमि और 7000 बीघा वनस्पति विकास/प्रबंधन भूमि को अवैध अतिक्रमणकारियों से मुक्त कराया है। हमने राज्य में कुल 1.50 लाख बीघा जमीन मुक्त कराई है। इसके अलावा, उन्होंने बताया कि राज्य में लगभग 40 लाख बीघा अतिक्रमित भूमि है। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि राज्य में 40 लाख बीघा भूमि पर अवैध अतिक्रमणकारियों ने कब्जा कर रखा है। आज मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि सरकार बनने के बाद हम 5 लाख बीघा भूमि अवैध बांग्लादेशियों से मुक्त कराएंगे। अब असम में कोई भी भूमि अतिक्रमण करने की हिम्मत नहीं कर सकता और राज्य में कोई भी गैंडे को नहीं मार सकता। मुख्यमंत्री सरमा ने आगे कहा कि बटालियन शिविर 700 बीघा भूमि में से 174 बीघा भूमि पर स्थापित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हमने यहां 700 बीघा भूमि खाली कराई है और बटालियन शिविर 174 बीघा भूमि पर स्थापित किया जाएगा। आप जो चाहें, मेडिकल कॉलेज, इंजीनियरिंग कॉलेज, हम शेष 500 बीघा भूमि पर उसका निर्माण करेंगे। असम सरकार ने अपने कार्यकाल के दौरान कई भूमि-अतिक्रमण अभियान चलाए हैं

अमेरिका में आने वाला है बर्फीला तूफान! एअर इंडिया ने न्यूयॉर्क और नेवार्क की उड़ानें की रद

नई दिल्ली एजेंसी: एअर इंडिया ने रविवार को अमेरिका में न्यूयॉर्क और नेवार्क के लिए जाने वाली सभी फ्लाइट्स कैंसिल कर दी हैं। कंपनी ने यह कदम आने वाले बहुत तेज तूफान और भारी बर्फबारी के अनुमान के बीच उठाया है। एअर इंडिया ने बयान जारी करते हुए कहा, 22 और 23 फरवरी को न्यूयॉर्क, न्यू जर्सी और यूएस के ईस्ट कोस्ट के आस-पास के इलाकों में भारी बर्फबारी के साथ एक भयंकर सर्दियों के तूफान का अनुमान है, जिसका फ्लाइट ऑपरेशन पर काफी असर पड़ने की संभावना है। हमारे यात्रियों और क्रू की सुरक्षा, भलाई और सुविधा को ध्यान में रखते हुए 23 फरवरी को न्यूयॉर्क और नेवार्क आने-जाने वाली एयर इंडिया की सभी फ्लाइट्स कैंसिल कर दी गई हैं। 'यात्रियों की जाएगी हर तरह की मदद' इसमें कहा गया है, अगर आपने इस तारीख को हमारे साथ उड़ान भरने के लिए बुकिंग की है

तो हमारी डेडिकेटेड टीमें आपको हर तरह की मदद देंगी। उधर, पूरे न्यूयॉर्क शहर और देश के उत्तर-पूर्वी हिस्से में बर्फीले तूफान की चेतावनी जारी की गई है। रविवार से एक शक्तिशाली तूफान तेज हवाओं के साथ आने वाला है। एक हजार से ज्यादा फ्लाइट्स हुईं कैंसिल 1,000 से ज्यादा फ्लाइट्स पहले ही कैंसिल कर दी गई हैं। इस तरह की स्थिति में यात्रा लगभग नामुमकिन हो जाएगी और बड़े पैमाने पर पावर कट हो सकता है। न्यूयॉर्क के मेयर जोहरान ममदानी ने लोगों को चेतावनी दी कि यह बर्फीला तूफान जनवरी के आखिर में शहर में आए तूफान से भी ज्यादा खतरनाक हो सकता है। उन्होंने शनिवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, मैं सभी न्यूयॉर्क वालों से कह रहा हूं कि अपनी सुरक्षा के लिए घर के अंदर रहें और सड़कों पर न निकलें। ये पिछली बार के मुकाबले और भी ज्यादा खतरनाक हालात हो सकता है।

अभिषेक बनर्जी का निर्वाचन आयोग पर बड़ा दावा, पश्चिम बंगाल वोटर लिस्ट में मनमाने ढंग से कट रहे नाम

बंगाल एजेंसी: तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अभिषेक बनर्जी ने शनिवार को आरोप लगाया कि निर्वाचन आयोग ने पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के संचालन में वैधानिक प्रावधानों और उच्चतम न्यायालय के निदेशों का तिहरा उल्लंघन किया है। सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव ने दावा किया कि ईसीआईनेट पोर्टल पर चुनाव पंजीकरण अधिकारी (ईआरओ) सहायक चुनाव पंजीकरण अधिकारियों (एईआरओ) के काम की निगरानी करने में असमर्थ हैं। बनर्जी ने कहा कि यह जन प्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 13बी और 13सी का उल्लंघन है, जिसमें यह प्रावधान है कि मतदाता सूची ईआरओ द्वारा तैयार और संशोधित की जाएगी और एईआरओ उनकी सहायता करेंगे। तृणमूल सांसद ने दावा किया कि यह उच्चतम न्यायालय के नौ फरवरी और 20 फरवरी के आदेशों के भी विपरीत है, जिनमें कहा गया है कि मतदाता सूची में शामिल करने के संबंध में अंतिम निर्णय ईआरओ द्वारा लिया जाना चाहिए और तार्किक विसंगति/ अपरिभाषित श्रेणी के तहत दावों का निपटारा ईआरओ द्वारा अर्ध-न्यायिक प्रक्रिया के माध्यम से किया जाना चाहिए। बनर्जी ने यह भी आरोप लगाया कि यह निर्वाचन आयोग के 24 जून 2025 को जारी आदेश संख्या 23/2025-ईआरएस (खंड दो) का उल्लंघन है, जिसमें कहा गया है कि प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र के ईआरओ यह सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेदार होंगे कि कोई भी पात्र नागरिक छूट न जाए और कोई भी अपात्र व्यक्ति शामिल न हो।

सिद्धारमैया सरकार का डिजिटल डिटॉक्स प्लान, अंतर्गत 16 छात्रों के सोशल मीडिया इस्तेमाल पर लगेगी रोक

नई दिल्ली एजेंसी: कर्नाटक की कांग्रेस सरकार 16 साल से कम उम्र के छात्रों के लिए मोबाइल फोन के इस्तेमाल पर पाबंदी लगाने की योजना बना रही है। सरकार का मानना है कि सोशल मीडिया की लत और इसका युवाओं के मानसिक स्वास्थ्य पर बुरा असर एक गंभीर चिंता का विषय है। मुख्यमंत्री ने मांगी राय मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने सरकारी विश्व विद्यालयों के कुलपतियों के साथ बैठक में इस प्रस्ताव पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि बच्चे न केवल सोशल मीडिया के शिकार हो रहे हैं, बल्कि ड्रग्स के खतरे में भी फंस रहे हैं। ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों का उदाहरण देते हुए उन्होंने विशेषज्ञों से फीडबैक मांगा है कि क्या कैंपस में नाबालिगों के लिए मोबाइल फोन का एक्सेस कम कर देना चाहिए। मंत्री और विशेषज्ञों की चिंता कर्नाटक के आईटी मंत्री प्रियांक खड़गे ने भी विधानसभा में बताया कि सरकार बच्चों द्वारा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और सोशल मीडिया के सुरक्षित

इस्तेमाल को लेकर सलाह ले रही है। सरकार का मानना है कि स्क्रीन पर बहुत ज्यादा समय बिताने से बच्चों के व्यवहार, पढ़ाई और मानसिक सेहत पर बुरा असर पड़ रहा है। अन्य राज्यों में भी हलचल कर्नाटक के अलावा दूसरे राज्य भी इसी तरह के कदम उठा रहे हैं। गोवा की सरकार 16 साल से कम उम्र के बच्चों को इंस्टाग्राम, फेसबुक और एक्स जैसे प्लेटफॉर्म से दूर रखने पर विचार कर रही है। आंध्र प्रदेश के शिक्षा मंत्री नारा लोकेश ने कहा है कि सोशल मीडिया पर महिलाओं का उत्पीड़न और बच्चों की घटती एकाग्रता एक बड़ी समस्या है। आंध्र प्रदेश सरकार ने इस विषय पर मेटा, गूगल और एक्स जैसी बड़ी टेक कंपनियों को मीटिंग के लिए बुलाया है ताकि बच्चों के लिए सोशल मीडिया को सुरक्षित बनाया जा सके। सरकारों का मुख्य उद्देश्य एक ऐसा कानूनी ढांचा तैयार करना है जिससे उम्र के हिसाब से सोशल मीडिया का सही और सुरक्षित इस्तेमाल सुनिश्चित किया जा सके।

कांग्रेस ने सरकार पर साधा निशाना, कहा- अमेरिका के साथ व्यापार समझौता अबकी बार ट्रंप से हार का प्रमाण

नई दिल्ली एजेंसी: अमेरिका के साथ अंतरिम व्यापार समझौते को लेकर सरकार पर निशाना साधते हुए कांग्रेस ने रविवार को कहा कि यह समझौता "अबकी बार ट्रंप से हार" का प्रमाण है और अमेरिकी उच्चतम न्यायालय द्वारा राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के वैश्विक शुल्क को रद्द किए जाने के फैसले के बाद उत्पन्न भ्रम की स्थिति को देखते हुए इसे "ठंडे बस्ते में डाल देना चाहिए।"कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि अंतरिम समझौते की रूपरेखा की शर्तों पर फिर से बातचीत होनी चाहिए और आयात उदारीकरण, विशेष रूप से कृषि उत्पादों के आयात उदारीकरण से संबंधित खंड को रद्द किया जाना चाहिए। उन्होंने दावा किया कि समझौता लेन-देन पर आधारित होता है, लेकिन भारत ने अंतरिम व्यापार समझौते के तहत केवल दिया ही है। रमेश ने 'पीटीआई-वीडियो' से कहा, "प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2019 में ह्यूस्टन में 'अबकी बार ट्रंप सरकार' का नारा दिया था, लेकिन अंतरिम समझौते की यह रूपरेखा 'अबकी बार ट्रंप से हार' का प्रमाण है।" कांग्रेस नेता ने पूछा कि दो फरवरी को ऐसा क्या हुआ था कि प्रधानमंत्री को राष्ट्रपति ट्रंप को व्यापार समझौते की घोषणा करने के लिए "मजबूर"

करना पड़ा? रमेश ने आरोप लगाया, "यह सीधे तौर पर संसद में प्रधानमंत्री पर बाह्य सुरक्षा मोर्चे की विफलताओं को लेकर राहुल गांधी के हमले से जुड़ा है। इसलिए इस समझौते की घोषणा खबरों और सुर्खियों को प्रभावित करने की रणनीति का हिस्सा थी।" कांग्रेस महासचिव ने कहा कि अंतरिम व्यापार समझौते की रूपरेखा

अमेरिका के साथ अंतरिम व्यापार समझौते को लेकर सरकार पर निशाना साधते हुए कांग्रेस ने रविवार को कहा कि यह समझौता 'अबकी बार ट्रंप से हार' का प्रमाण है और अमेरिकी उच्चतम न्यायालय द्वारा राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के वैश्विक शुल्क को रद्द किए जाने के फैसले...

में यह कहा गया है कि किसी भी पक्ष की ओर से किसी भी प्रकार के बदलाव की स्थिति में अमेरिका और भारत इस बात पर सहमत हैं कि वे अपनी प्रतिबद्धताओं में संशोधन कर सकते हैं। उन्होंने तर्क दिया कि राष्ट्रपति ट्रंप ने शुल्क (टैरिफ) में बदलाव किया है, इसलिए भारत को अपनी प्रतिबद्धताओं में बदलाव करने का पूरा अधिकार है। रमेश ने कहा, "हमने जो पहली प्रतिबद्धता जताई है, वह है खाद्य और कृषि उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला पर शुल्क कम करना या समाप्त करना। प्रधानमंत्री से हमारी मांग है कि इस मामले को ठंडे बस्ते में डाल दिया जाए।" उन्होंने दावा किया कि भारत ने सभी अमेरिकी औद्योगिक वस्तुओं और अमेरिकी खाद्य एवं कृषि उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला पर आयात शुल्क समाप्त करने या कम करने की प्रतिबद्धता जताई है। कांग्रेस नेता ने कहा कि संयुक्त बयान में की गई इस प्रतिबद्धता को बदला जाना चाहिए क्योंकि इस बयान के अनुसार, भारत को ऐसा करने का पूरा अधिकार है। रमेश ने पूछा, "इस प्रतिबद्धता का सीधा असर सोयाबीन किसानों, मक्का किसानों, फल और मेवा उगाने वाले किसानों तथा कपास किसानों पर पड़ेगा। सबसे पहले इसका प्रभाव जम्मू कश्मीर, बिहार, मध्य प्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र और हिमाचल प्रदेश के किसानों पर पड़ेगा। फिर संयुक्त बयान में अतिरिक्त उत्पादों का जिक्र है।

संपादकीय

एआई समिट से सीयू तक

नए जगत की खोज में हिंदोस्तान के कदम जहां निकले, वहां परिवेश में ज्ञान की दौलत को चिन्हित करना पड़ेगा। दुनिया को मुरीद बनाती तकनीक का सारा आलम ए आई से संचालित होने जा रहा है, जहां जीवन के हर पहलू में एक नया सवेरा खोजा जाएगा। दिल्ली में इंडिया इम्पैकट ए आई समिट के माध्यम से नई वैश्विक शक्ति, शिक्षा के नए विषय, सोचने का नया सामर्थ्य और जानने की नई क्षमता में सूक्ष्म बिंदुओं पर विचार हो रहा है। ज्ञान का परिदृश्य और तरक्की का आश्चर्य बोध हर लम्हे को इसकी अति सूक्ष्मता में जाहिर करेगा। भारत की क्रांतियों में ए आई की भूमिका अभी पीछे है। कम्प्यूटरिंग सुविधा के साथ ए आई के हब और गीगावाट की क्षमता में आरोहण का दस्तूर अभी परीक्षण के दौर में है, क्योंकि पानी और बिजली की खपत में डाटा भंडारण के हर कदम पर इस्तेमाल की व्यापकता है। एक विवाद ने निजी विश्वविद्यालय की पगड़ी उछाल दी और जग हंसाई के दस्तूर में 'ए आई' एक जुमला सा हो गया। चीन और अमरीकी के बीच ए आई का जलवा भारत की पहचान में अभी मद्धिम है, तो समझना यह होगा कि हमारे आई आई टी और ट्रिपल आई टी के शोध पत्रों में कितना मसौदा भरना बाकी है। यूं तो कौशल विकास की खिड़कियों से रोजगार के अवसर देखे जा रहे हैं, लेकिन ए आई के संकल्प से रास्ते और भी कठिन होंगे। कहने को हमारी तुलना का विश्व हमें शक्ति देता है, लेकिन जिस देश की अस्सी करोड़ आबादी को मुफ्त के राशन की ताकत चाहिए, वहां आगे बढने के द्वंद्व कहीं ज्यादा बढ़ जाएंगे। बहरहाल देश में ए आई अब एक स्तंभ है और युवा महत्त्वाकांक्षा का अगला सफर। ऐसे में देश से प्रदेश तक और वैश्विक दृष्टि से अपने परिवेश तक मूल्यांकन जरूरी है।

यह विडंबना है कि हिमाचल में सदन की बहस जिन मुद्दों पर टिकी है, वहां ए आई का जमाना बहुत दूर हो जाता है। यह दीगर है कि सुखविंदर सुक्खू सरकार ने रोबोटिक सर्जरी की पहल से आगे निकलने की कोशिश की या कुछ इंजीनियरिंग कालेजों के पाठ्यक्रम में विषय का शंखनाद हो गया, लेकिन हमें सोचना पड़ेगा कि हिमाचली विकास का वैज्ञानिक पक्ष कितना मजबूत है। क्या हमारे तमाम विश्वविद्यालयों ने एआई की जमीन तैयार की गई है। प्रदेश में शिक्षा का मात्रात्मक विकास जिस छोर पर खड़ा है, वहां नौकरी ही एंड प्रॉडक्ट माना गया है। नवाचार के क्षेत्र में ही हमारे विश्वविद्यालयों की प्रासंगिकता विराम तक पहुंच जाती है, तो आगे एआई के संदर्भ कैसे मजबूत होंगे। हिमाचल प्रदेश के केंद्रीय विश्वविद्यालय की आंखों में ए आई का प्रकाश हो जाए, तो ज्ञान की पाठशाला सशक्त होगी, वरना ऐसा नहीं लगता कि इस संस्थान की रचना में अंतरराष्ट्रीय पैमानों का सोच पल्लवित हो रहा है। विश्वविद्यालय की संगोष्ठियों में विषयों की परंपरा इतनी परंपरावादी है, कि छात्रों के जेहन में संस्कृति के नाम पर ज्ञान किसी पोखर में खड़ा हो रहा है। अगर संस्कृत भाषा के आलोक में ही विश्वविद्यालय को अपनी जन्मपत्री मजबूत करनी है, तो कब ए आई का पौधारोपण होगा। वैसे भी हिमाचल के तमाम विश्वविद्यालय एक ही पायजामा पहनकर अपनी मंजिलों में आत्म संतुष्ट दिखाई देते हैं।

चिंतन-मनन

निरोगी काया भी हो ध्येय

सच्चे अर्थों में जीवन उतने ही समय का माना जाता है, जितना स्वस्थतापूर्वक जिया जा सके। कुछ अपवादों को छोड़कर अस्वस्थता अपना निज का उपार्जन है। सृष्टि के सभी प्राणी प्रायः जीवन भर निरोग रहते हैं। मनुष्य की उच्छृंखल आदत ही उसे बीमार बनाती है। जीभ का चटोरापन अतिशय मात्रा में अखाद्य खाने के लिए बाधित करता रहता है। जितना भार उठ नहीं सकता, उतना लादने पर किसी का भी कचूमर निकल सकता है। बिना पचा सड़ता है और सड़न के रक्त प्रवाह में मिल जाने से जहां भी अवसर मिलता है, रोग का लक्षण उभर पड़ता है। अस्वच्छता, पूरी नींद न लेना, कड़े परिश्रम से जी चुराना, नशेबाजी जैसी आदत स्वास्थ्य को जर्जर बनाने का कारण बनते हैं। खुली हवा और रोशनी से बचना, घुटन भरे वातावरण में रहना भी बीमारी का बड़ा कारण है। भय या आक्रोश जैसे उतार-चढ़ाव भी मनोविकार बढ़ाते और व्यक्ति को सनकी, कमजोर व बीमार बनाते हैं। शरीर को निरोगी बनाकर रखना कठिन नहीं है। आहार, श्रम एवं विश्राम का संतुलन बिठाकर हर व्यक्ति आरोग्य एवं दीर्घजीवन पा सकता है। दूसरे नियम भी ऐसे नहीं, जिनकी जानकारी आमजन को न हो सके।

सवाल केवल एक व्यक्ति का नहीं, पूरी व्यवस्था का है

वर्ष 2009 के हथगांव, जनपद फतेहपुर के चर्चित हत्याकांड में दोष सिद्ध होने के बाद पत्रकार सीमाब नकवी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई। न्यायालय का निर्णय अंतिम है, लेकिन इस घटना ने एक बड़ा संस्थागत प्रश्न खड़ा कर दिया है, इतने गंभीर मुकदमे के लंबित रहते हुए वे सक्रिय पत्रकारिता कैसे करते रहे? वे एक मीडिया संस्थान भारत समाचार से जुड़े रहे और उन्हें सरकारी मान्यता भी प्राप्त थी। यह स्थिति बताती है कि मान्यता प्रणाली और संस्थागत निगरानी में कहीं न कहीं गंभीर शिथिलता रही। प्रश्न न्यायिक प्रक्रिया पर नहीं, बल्कि प्रशासनिक सतर्कता पर है। क्या पृष्ठभूमि की समय-समय पर समीक्षा नहीं होनी चाहिए थी? क्या मान्यता केवल औपचारिक दस्तावेज बनकर रह गई है? अब जरूरत है कि उत्तर प्रदेश सरकार, जिसका नेतृत्व योगी आदित्यनाथ कर रहे हैं, इस पूरे तंत्र की समीक्षा करे ताकि भविष्य में ऐसी स्थिति दोबारा न बने। यह मामला एक व्यक्ति का नहीं, व्यवस्था की विश्वसनीयता का है।

डॉ. वीरेंद्र पुष्पक

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

गिरगिट से ज्यादा तेज गति से रंग बदलते हैं ट्रंप

सनत जैन

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सारी दुनिया में चर्चा हो रही है। पिछले एक वर्ष में जिस तरह से उन्होंने निर्णय लिए हैं उनके निर्णय के कारण जिस तरह की अनिश्चित अमेरिका के साथ-साथ सारी दुनिया के देशों में देखने को मिल रही है, उसके बाद लोग यह कहने लगे हैं, कि गिरगिट भी देर से रंग बदलता है लेकिन ट्रंप उससे जल्दी रंग बदल लेते हैं। हाल ही में अमेरिका की सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा विभिन्न देशों के ऊपर जो टैरिफ लगाए गए थे उसे निरस्त कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने उसे अवैधानिक माना है। इसके तुरंत बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक नया फैसला लिया, जिसमें 10 फीसदी टैरिफ को लगाने का फैसला किया था। अदालत के फैसले के कुछ ही घंटे के बाद उन्होंने शुक्रवार को 10 फीसदी टैरिफ लगाने की घोषणा की थी, लेकिन शनिवार को उसे बढ़ाकर 15 फीसदी कर दिया। 24 फरवरी से 24 जुलाई तक सभी देशों की अलग-अलग दरों के स्थान पर अगले 150 दिन अर्थात 15 जुलाई तक 15 फीसदी टैरिफ वसूल किया जाएगा। इसका असर भारत पर भी पड़ने जा रहा है। भारत के फार्मा और पेट्रो पर तीन फीसदी टेरिफ लगेगा लेकिन बाकी सभी चीजों पर अब 15 फीसदी टैरिफ अमेरिका में जो भी माल भेजा जाएगा उस पर लगेगा। भारत के संबंध में बात की जाए तो पहले उन्होंने 50 फीसदी टैरिफ लगाया, 2 फरवरी को अंतरिम ट्रेड डील पर सहमति जताते हुए टैरिफ को 18 फीसदी किया था। उसके बाद 10 फीसदी टैरिफ लगाया गया। अब उसे बढ़ाकर 15 फीसदी कर दिया गया है। दूसरी बार अमेरिका के राष्ट्रपति बनने के बाद जिस तरह की अनिश्चितता अमेरिका को लेकर सारी दुनिया में देखने को मिल रही है उसमें भले अभी ट्रंप को कुछ फायदा हो रहा हो लेकिन जिस तरह से अमेरिका की साख को बट्टा लग रहा है उसके बाद सारी दुनिया में यह धारणा बनने लगी है अमेरिका को जिस दिशा में डोनाल्ड ट्रंप ले जाना चाहते हैं। उसके कारण अमेरिका कुछ ही महीना में बहुत बड़ी मुसीबत में फंस सकता है। डोनाल्ड ट्रंप द्वारा जो निर्णय लिए जा रहे हैं इसका सबसे बड़ा दुष्प्रभाव अमेरिका के ऊपर ही पड़ रहा है। अमेरिका में लगातार महंगाई बढ़ती जा रही है। अमेरिका की ट्रेजरी से विभिन्न देशों ने अपना सोना और बांड के रूप में जमा राशि को निकालना शुरू कर दिया है। अमेरिका की जो विश्व में साख पिछले कई दशकों में बनी हुई थी वह तार-तार हो गई है। कारोबारी और विभिन्न देशों की सरकारों को अमेरिका के ऊपर भरोसा नहीं रहा, जिसके कारण अमेरिका अपने सबसे बुरे दौर से गुजर रहा है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश को नहीं मानकर उन्होंने वैकल्पिक तरीके से सारी दुनिया के देशों से जो 15 फीसदी टैक्स एक जजिया-कर की तरह वसूल करने की कोशिश की है, वह अपने निर्णय के माध्यम से दबाव बनाकर दुनिया के विभिन्न देशों में अपने परिवार और पारिवारिक कंपनियों को जो लाभ पहुंचाना चाहते हैं उसकी यह रणनीति चर्चा का विषय बन गई है।

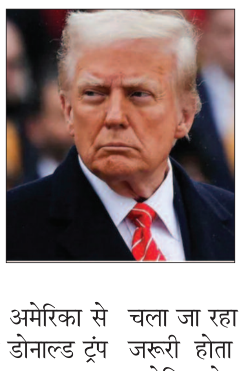

कारोबारी और विभिन्न देशों की सरकारें अमेरिका से दूरी बनाने लगी है। अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के लिए भी आंतरिक चुनौतियों राजनीतिक आधार पर बनना शुरू हो गई हैं। सड़कों पर उनका विरोध शुरू हो गया है। विभिन्न राज्यों में डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ संघीय व्यवस्था को खत्म करने और डिक्टेटर वाले निर्णय लेने से बगावत जैसी स्थिति देखने को मिलने लगी है। अमेरिका कभी पूरी दुनिया का नेतृत्व करता था लेकिन अब यह स्थिति बदलती हुई दिख रही है। रूस, चीन जैसे देश अमेरिका के समानांतर एक नई वैकल्पिक व्यापारिक व्यवस्था विकसित करने की बात कर रहे हैं। वैकल्पिक मुद्रा तैयार कर रहे हैं। जिसको दुनिया के अन्य देशों का भी बड़े पैमाने पर समर्थन मिल रहा है। अभी तक अमेरिका को जो डॉलर के कारण कमाई हो रही थी अब वह कमाई भी खतरे में पडती हुई दिख रही है। डोनाल्ड ट्रंप बहुत जल्दबाजी में है। उनके कार्यकाल का एक वर्ष एक माह लगभग खत्म हो चुका है उनके लिए 2 वर्ष और 11 में शेष हैं। इस बीच में वह अपने परिवार और अपने लिए वह सब कुछ कर लेना चाहते हैं जो वह सोचते हैं। लेकिन यह संभव नहीं होगा। डोनाल्ड ट्रंप के निर्णयों के कारण अमेरिका के साथ-साथ सारी दुनिया के देशों में उनका विरोध बढ़ता चला जा रहा है। व्यापार और संबंध मैं विश्वास होना जरूरी होता था। वह विश्वास डोनाल्ड ट्रंप और अमेरिका के ऊपर देखने को नहीं मिल रहा है। सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के बाद जिस तरह से डोनाल्ड ट्रंप आक्रामक होकर मनमाने फैसले ले रहे हैं उसके बाद यह माना जा रहा है कि जल्द ही उनके खिलाफ अमेरिका में विद्रोह शुरू हो सकता है। डोनाल्ड ट्रंप बहुत जिद्दी हैं। यह उनका व्यक्तिगत दुर्गुण है, जिसका खामियाजा आगे चलकर अमेरिका को चुकाना पड़ेगा। इसमें अब कोई संदेह नहीं रहा।

एक पृथ्वी, एक मानवता: शांति और समझ का वैश्विक संकल्प

सुनील कुमार महला

हर वर्ष 23 फरवरी को विश्व शांति और समझ दिवस रोटरी इंटरनेशनल की स्थापना की वर्षगांठ के रूप में मनाया जाता है। इस वर्ष रोटरी इंटरनेशनल अपना 121वाँ स्थापना दिवस मना रहा है। पाठकों को बताता चलूं कि यह दिवस इस विचार को रेखांकित करता है कि शांति केवल युद्ध की अनुपस्थिति नहीं है, बल्कि यह तो हमारी आपसी समझ, साझा प्रयासों और समावेशी विकास का परिणाम है। कहना गलत नहीं होगा कि आज के दौर में बढ़ते संघर्ष, युद्ध और तनाव के बीच विश्व शांति मानवता की सबसे बड़ी आवश्यकता बन गई है। वास्तव में, शांति से ही विकास, शिक्षा और समृद्धि का मार्ग प्रशस्त होता है। आपसी समझ और सहिष्णुता किन्हीं भी समाजों को मजबूत व सुदृढ़ बनाती है। यह एक कटु सत्य है कि बिना शांति के न तो सुरक्षा संभव है और न ही किसी देश और समाज की स्थायी प्रगति। इसलिए विश्व शांति केवल एक आदर्श नहीं, बल्कि मानव अस्तित्व के लिए अनिवार्य शर्त है।

बहुत कम लोग जानते हैं कि ह्यरोटरीह्न नाम के पीछे भी एक रोचक कारण है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार शुरूआत में इसे ह्यशांति दिवसह्न नहीं कहा जाता था। इसका नाम ह्यरोटरीह्न इसलिए पड़ा क्योंकि इसके सदस्य अपनी बैठकें हर बार अलग-अलग सदस्यों के कार्यालयों में घुमाकर (रोटेशन के आधार पर) किया करते थे और यही रोटेशन आगे चलकर दुनिया भर में सेवा और शांति का प्रतीक बन गया। एक दिलचस्प तथ्य यह भी है कि द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान, जब दुनिया संघर्षों में उलझी हुई थी, तब रोटरी के सदस्यों ने लंदन में एक सम्मेलन आयोजित किया था। इसी सम्मेलन की बौद्धिक नींव पर आगे चलकर यूनेस्को की स्थापना का मार्ग प्रशस्त हुआ। बहुत कम लोग जानते हैं कि दुनिया की सबसे बड़ी शांति संस्थाओं में से एक की अवधारणा एक क्लब बैठक से प्रेरित थी।

इस दिवस का मूल संदेश यह है कि शांति केवल युद्ध का न होना नहीं है। रोटरी की अवधारणा में शांति का अर्थ लोगों की स्वच्छ पानी तक पहुँच, साक्षरता दर में वृद्धि तथा स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं के विकास से भी जुड़ा है। दूसरे शब्दों में कहें तो सेवा ही शांति का सबसे बड़ा माध्यम है। जब हम भूख, बीमारी (जैसे पोलियो) और अज्ञानता के खिलाफ संघर्ष करते हैं, तो वास्तव में हम शांति की नींव रख रहे होते हैं। उपलब्ध जानकारी के अनुसार 23 फरवरी 1905 को पॉल पी. हैरिस ने शिकागो (अमेरिका) में इसकी(रोटरी इंटरनेशनल) शुरूआत की थी पेशे से वे एक वकील थे और उन्होंने अपने तीन मित्रों के साथ मिलकर पहले रोटरी क्लब की बैठक आयोजित की। उनका उद्देश्य एक ऐसा मंच तैयार करना था, जहाँ विभिन्न पृष्ठभूमि के पेशेवर लोग मिलकर विचार साझा कर सकें और समाज के लिए सार्थक कार्य कर सकें। समय के साथ यह एक वैश्विक आंदोलन बन गया और स्थापना दिवस को ही ह्यविश्व शांति और समझ दिवसह्न के रूप में मान्यता मिली। उपलब्ध जानकारी के अनुसार आज रोटरी के 200 से अधिक देशों में लगभग 46,000 से अधिक क्लब सक्रिय हैं।

यहाँ पाठकों को बताना आवश्यक है कि रोटरी इंटरनेशनल एक वैश्विक सेवा संगठन है, जिसका मुख्य उद्देश्य मानवता की सेवा करना, समाज में नैतिक मूल्यों को बढ़ावा देना तथा विश्व में शांति और सद्भाव स्थापित करना है। इसके सदस्य विभिन्न व्यवसायों और पेशों से जुड़े लोग होते हैं, जो स्वेच्छा से समाज सेवा में योगदान देते हैं। यह संगठन शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता, जल संरक्षण, रोग उन्मूलन (विशेषकर पोलियो उन्मूलन अभियान) और सामुदायिक विकास जैसे क्षेत्रों में महत्वपूर्ण परियोजनाएँ संचालित करता है। आज इसके विश्वभर में हजारों क्लब और लाखों सदस्य हैं, जो सर्विस अबूव सेल्फ (स्वार्थ से ऊपर सेवा) के आदर्श वाक्य के साथ मानव कल्याण के लिए कार्य कर रहे हैं।

वास्तव में, इस दिवस को मनाने का उद्देश्य, जैसा कि ऊपर भी इस आलेख में चर्चा कर चुका हूं, पूरे विश्व में शांति, सेवा और आपसी समझ को बढ़ावा देना है। आज के दौर में बढ़ती प्रतिस्पर्धा, भौतिकवादी सोच, राजनीतिक और सामाजिक तनाव तथा डिजिटल माध्यमों पर फैलती नकारात्मकता ने लोगों के बीच दूरी बढ़ा दी है। कई बार देश संसाधनों और प्रभुत्व की होड़ में संघर्ष की राह चुन लेते हैं। सहयोग, सेवा-भावना और आपसी सद्भाव धीरे-धीरे कमजोर पड़ते दिखाई देते हैं। एक समय था जब समाज में भाईचारा, सहयोग और मानवता की भावना अधिक प्रबल थी, जबकि आज व्यक्तिगत स्वार्थ और असहिष्णुता कई बार इन मूल्यों पर भारी पड़ती नजर आती है। हालांकि, यह पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है। आज भी दुनिया में अनेक लोग और संस्थाएँ शांति, सेवा और मानवता के लिए समर्पित होकर कार्य कर रही हैं।

आवश्यकता इस बात की है कि हम अपने व्यक्तिगत स्तर से छोटे-छोटे प्रयास शुरू करें। दूसरों के प्रति सम्मान, सहानुभूति, सहयोग और संवाद को बढ़ावा दें। यही छोटे कदम बड़े परिवर्तन का आधार बनते हैं। इस दिवस का मुख्य फोकस शांति और सद्भावना को प्रोत्साहित करना, संस्कृतियों और समुदायों के बीच समझ बढ़ाना, संघर्ष की रोकथाम तथा वैश्विक सहयोग और मानवीय एकता को मजबूत करना है। सरल शब्दों में कहें तो यह दिवस पूरे विश्व में शांति, सद्भाव और पारस्परिक समझ को सुदृढ़ करने का संदेश देता है।

अंततः यह दिवस हमें सिखाता है कि हमारे छोटे-छोटे सकारात्मक कार्य भी दुनिया में बड़ा बदलाव ला सकते हैं। जब हम एक-दूसरे की सोच और भावनाओं को समझने लगते हैं, तो विवाद स्वतः कम होने लगते हैं। सार यह है कि यदि हम सभी एक-दूसरे की संस्कृतियों, विचारों और जीवन मूल्यों को समझें, तो वैश्विक भाईचारा और शांति मजबूत हो सकती है, और यह संपूर्ण विश्व एक बेहतर स्थान बन सकता है।

भारत का एआई नेतृत्व तकनीक एवं मानवीय मूल्यों का संगम बने

दिल्ली इन दिनों केवल भारत की राजनीतिक राजधानी भर नहीं, बल्कि उभरती तकनीकी चेतना का वैश्विक केंद्र बनी हुई है। 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026' ने यह स्पष्ट संकेत दिया है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता अब प्रयोगशालाओं या कॉरपोरेट दफ्तरों तक सीमित तकनीक नहीं रही, बल्कि वह विकास की नई परिभाषा गढ़ने की दिशा में अग्रसर है। दुनिया के विभिन्न देशों, तकनीकी कंपनियों, शोध संस्थानों और नीति-निमार्ताओं की उपस्थिति ने इस सम्मेलन को वैश्विक विमर्श का मंच बना दिया है। यह आयोजन इस तथ्य का उद्घोष है कि भारत केवल उपभोक्ता राष्ट्र नहीं, बल्कि एआई युग का नेतृत्वकर्ता बनने की तैयारी में है। आज विश्व जिस तकनीकी संक्रमण से गुजर रहा है, उसमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता निर्णायक भूमिका निभा रही है। स्वास्थ्य, कृषि, शिक्षा, व्यापार, प्रौद्योगिकी, जलवायु परिवर्तन, शासन और आर्थिक विकास-हर क्षेत्र में एआई समाधान की नई संभावनाएँ खोल रहा है। ऐसे समय में भारत का दृष्टिकोण केवल तकनीकी उन्नति तक सीमित नहीं, बल्कि वह इसे मानव-केंद्रित विकास के साथ जोड़ने का प्रयास कर रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने बार-बार यह स्पष्ट किया है कि तकनीक का अंतिम लक्ष्य मानवता की सेवा होना चाहिए, न कि केवल लाभ और वर्चस्व की दौड़।

भारत की सबसे बड़ी शक्ति उसकी युवा आबादी है। यदि इस ऊर्जा को गणित, भौतिकी, कंप्यूटर विज्ञान और डाटा विज्ञान जैसे क्षेत्रों में प्रशिक्षित किया जाए तो भारत एआई अनुसंधान और नवाचार में विश्व की अग्रिम पंक्ति में खड़ा हो सकता है। विश्वविद्यालयों और तकनीकी संस्थानों की भूमिका यहाँ अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। हमें ऐसे संस्थानों की आवश्यकता है जो वास्तविक शोध और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दें, न कि केवल झूठे दावों और विज्ञापन के बल पर प्रतिष्ठा अर्जित करने का प्रयास करें। शिक्षा में पारदर्शिता और गुणवत्ता ही उस आधारशिला को मजबूत करेगी जिस पर भारत का एआई भविष्य खड़ा होगा। यह सवाल उठाया जा रहा है कि भारत आज व्यवहार में एआई व रोबोटिक्स के अनुसंधान में कहां खड़ा है? आखिर गलगोटिया यूनिवर्सिटी के नीति-नियंताओं ने यह क्यों नहीं सोचा कि चीन निर्मित एक रोबोट को अपनी उपलब्धि बताने से देश की प्रतिष्ठा को आंच आएगी? अब यूनिवर्सिटी की तरफ से सफाई दी जा रही है कि उसने रोबोट के निर्माण का दावा नहीं किया। वहीं दूसरी ओर उन सरकारी अधिकारियों की भी जवाबदेही तय की जानी चाहिए, जिन्होंने बिना जांच-पड़ताल के विश्वविद्यालय को एआई समिट में स्टॉल लगाने की अनुमति क्यों दी। निश्चित रूप से भारत ने पिछले कुछ वर्षों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित तकनीक व रोबोटिक उत्पादन के क्षेत्र में ऊंची छलांग लगाई है। युवा शक्ति के देश भारत ने एआई के क्षेत्र में अमेरिका व चीन के बाद अपना तीसरा स्थान बनाया है। जिसकी पुष्टि अंतर्राष्ट्रीय मानक संस्थाओं ने भी की है। लेकिन एक विरोधाभासी हकीकत यह है कि भारत दुनिया का सबसे बड़ी आबादी का देश है, जहां श्रम शक्ति प्रचुर मात्रा में उपलब्ध है।

स्वास्थ्य क्षेत्र में एआई की भूमिका क्रांतिकारी सिद्ध हो सकती है। रोगों की प्रारंभिक पहचान, सटीक निदान, दवाओं के शोध और ग्रामीण क्षेत्रों में टेलीमेडिसिन सेवाओं के विस्तार में एआई नई संभावनाएँ लेकर आया है। भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में जहाँ स्वास्थ्य संसाधनों का असमान वितरण है, वहाँ एआई आधारित समाधान दूरस्थ क्षेत्रों तक बेहतर सेवाएँ पहुँचाने में सहायक हो सकते हैं। इसी प्रकार कृषि क्षेत्र में मौसम पूवार्नुमान, मृदा विश्लेषण, फसल प्रबंधन और आपूर्ति श्रृंखला के अनुकूलन में एआई किसानों की आय बढ़ाने और जोखिम कम करने का माध्यम बन सकता है। जलवायु परिवर्तन की चुनौती भी आज मानवता के सामने विकराल रूप में उपस्थित है। चरम मौसम की घटनाएँ, जल संकट और पर्यावरणीय असंतुलन विकास की गति को प्रभावित कर रहे हैं। एआई आधारित मॉडलिंग और डेटा विश्लेषण से प्राकृतिक आपदाओं का पूवार्नुमान, संसाधनों का बेहतर प्रबंधन और टिकाऊ नीतियों का निर्माण संभव है। यदि भारत इन क्षेत्रों में एआई का प्रभावी उपयोग करता है तो वह वैश्विक दक्षिण के देशों के लिए एक मार्गदर्शक मॉडल प्रस्तुत कर सकता है।

शासन और आर्थिक विकास के क्षेत्र में भी एआई पारदर्शिता, जवाबदेही और दक्षता बढ़ाने का माध्यम बन सकता है। सार्वजनिक सेवाओं के डिजिटलीकरण, भ्रष्टाचार पर अंकुश, नीति निर्माण में डेटा-आधारित निर्णय और वित्तीय समावेशन के विस्तार में एआई की महत्वपूर्ण भूमिका है। इससे न केवल प्रशासनिक प्रक्रियाएँ सरल होंगी, बल्कि नागरिकों का विश्वास भी मजबूत होगा। आर्थिक दृष्टि से एआई नवाचार, स्टार्टअप संस्कृति और विनिर्माण क्षेत्र में नई ऊर्जा भर सकता है, जिससे रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। किन्तु इस उजाले के साथ कुछ गहरी छायाएँ भी हैं। एआई के बढ़ते प्रभाव से रोजगार संरचना में परिवर्तन स्वाभाविक है। अनेक पारंपरिक नौकरियाँ समाप्त हो सकती हैं और नई कौशल-आधारित नौकरियों की माँग बढ़ेगी। यदि कौशल विकास और पुनर्प्रशिक्षण पर समय रहते ध्यान नहीं दिया गया तो असमानता और बेरोजगारी की समस्या गहरा सकती है। इसी प्रकार डेटा गोपनीयता, साइबर सुरक्षा, डीपफेक और निगरानी जैसे प्रश्न लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए चुनौती बन सकते हैं। तकनीक का दुरुपयोग सामाजिक विभाजन और सूचना के दुष्प्रचार को बढ़ा सकता है।

इसलिए आवश्यक है कि एआई के विकास के साथ नैतिक ढाँचे और नियामक व्यवस्था भी सुदृढ़ हो। भारत को ऐसा मॉडल विकसित करना होगा जिसमें नवाचार की स्वतंत्रता और सामाजिक उत्तरदायित्व का संतुलन बना रहे। ह्लमानवता केंद्र मेंह्व का सिद्धांत केवल नारा न बने, बल्कि नीति और व्यवहार में परिलक्षित हो। एआई का उपयोग यदि समावेशी विकास, लैंगिक समानता और सामाजिक न्याय के लिए किया जाए तो यह तकनीक समाज के कमजोर वर्गों के लिए अवसरों का द्वार खोल सकती है। वैश्विक परिप्रेक्ष्य में देखें तो चीन और अमेरिका एआई के क्षेत्र में तीव्र प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। भारत के सामने चुनौती है कि वह इस दौड़ में अपनी विशिष्ट पहचान बनाए। भारत का लोकतांत्रिक ढाँचा, विविध सांस्कृतिक पृष्ठभूमि और विशाल बाजार उसे एक अलग सामर्थ्य प्रदान करते हैं। यदि वह अनुसंधान में निवेश, स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र के सुदृढ़ीकरण और अंतरराष्ट्रीय सहयोग को प्राथमिकता दे तो वह एआई के क्षेत्र में निर्णायक भूमिका निभा सकता है। वैश्विक दक्षिण के देशों के लिए सस्ती, सुलभ और मानव-केंद्रित तकनीक उपलब्ध कराकर भारत एक नैतिक नेतृत्व स्थापित कर सकता है।

'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026' इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह सम्मेलन केवल विचारों का आदान-प्रदान नहीं, बल्कि भविष्य की संरचना का प्रारूप है। यहाँ से निकले संकल्प यदि नीति और क्रियान्वयन में रूपांतरित होते हैं तो भारत तकनीकी आत्मनिर्भरता की ओर एक बड़ा कदम बढ़ा सकेगा। यह अवसर है कि हम एआई को केवल आर्थिक लाभ का साधन न मानें, बल्कि उसे सामाजिक परिवर्तन और मानव कल्याण के माध्यम के रूप में देखें। आज जब दुनिया में मानवीय मूल्यों का क्षरण चिंता का विषय है, तब भारत के पास अवसर है कि वह तकनीक और नैतिकता के समन्वय का उदाहरण प्रस्तुत करे। एआई का विकास यदि करुणा, समावेशन और सतत विकास के आदर्शों के साथ हो तो यह मानवता के लिए वरदान सिद्ध होगा। भारत को अपने युवाओं, शोधकताओं और नीति-निमार्ताओं के माध्यम से यह सुनिश्चित करना होगा कि एआई की यात्रा मानवता के उत्थान की यात्रा बने, न कि केवल प्रतिस्पर्धा और वर्चस्व की।

निस्संदेह, ऐसे वक्त में जब कृषि से लेकर चिकित्सा तक और उत्पादन के क्षेत्र में एआई व रोबोटिक्स की दखल बढ़ रही है, प्रचुर श्रमशक्ति की उपलब्धता के बावजूद भारत को समय के साथ कदमताल करनी होगी। हमें एआई व रोबोटिक्स को अपनाना ही होगा। लेकिन सावधानी के साथ ताकि यह नौकरी खाने वाला बनने के बजाय नौकरी देने वाला बने। समय की पुकार है कि हम तकनीकी प्रगति को राष्ट्रीय संकल्प में बदलें। शिक्षा, अनुसंधान, कौशल विकास और नैतिक नेतृत्व के सहारे भारत एआई युग में एक नई पहचान गढ़ सकता है। यदि हम चुनौतियों को स्वीकार कर दूरदर्शिता से आगे बढ़ें तो यह युग भारत के लिए केवल तकनीकी उन्नति का नहीं, बल्कि वैश्विक नेतृत्व और मानवीय पुनर्जागरण का युग सिद्ध हो सकता है।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

जिला न्यायालय परिसर में बृहद विधिक साक्षरता एवं सेवा शिविर का किया गया आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के निर्देशन में अमरोहा में जिला न्यायालय परिसर में ज़िला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा विधिक सशक्तिकरण हेतु बृहद विधिक साक्षरता एवं सेवा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्घाटन उच्च न्यायालय इलाहाबाद के न्यायाधीश एवं प्रशासनिक न्यायाधीश न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार द्वारा फीता काटकर किया गया। इस मौके पर उन्होंने एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत पौधारोपण किया। इसके उपरांत विभिन्न सरकारी विभागों की जनकल्याणकारी योजनाओं के संबंध में लगाए गए स्टॉल्स का निरीक्षण किया और योजनाओं के क्रियान्वयन के बारे में

विस्तार से जानकारी ली। इस मौके पर राजस्व विभाग, कृषि विभाग, स्वास्थ्य विभाग, श्रम विभाग, बैंक सेवाएं, समाज कल्याण विभाग, दिव्यांग सशक्तिकरण विभाग, आवास एवं नगर विभाग, विद्युत वितरण विभाग, युवा कल्याण विभाग, वन विभाग, प्रोबेशन विभाग, महिला एवं बाल कल्याण विभाग, कौशल विकास विभाग, खाद्य सुरक्षा एवं रसद विभाग, शिक्षा विभाग, पशुपालन विभाग आदि विभागों की जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों को प्रमाण पत्र, चेक एवं

अन्य सामग्री देकर सम्मानित किया।

इस मौके पर बोलते हुए न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार ने कहा कि यह एक बेहतर पहल है। उन्होंने कहा कि न्याय और सुविधा समाज के प्रत्येक व्यक्ति का अधिकार है और यह उसे आसानी से मिलना चाहिए। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए इस मेगा कैंप का आयोजन किया गया है। उन्होंने उम्मीद जताई कि आगे भी इस तरह के कैंप आयोजित कर आम लोगों को न्याय और सेवा दोनों उपलब्ध कराए जाते रहेंगे।

सब्र और रूहानी पाकीजगी का महीना रमजान:मोहम्मद अबरार सैफी

सैदनंगली/अमरोहा (सब का सपना):- मुकद्दस महीना रमजान-उल-मुबारक अपनी तमाम रहमतों और बरकतों के साथ सायाफगन है। यह महीना केवल भूखा और प्यासा रहने का नाम नहीं है, बल्कि यह 'सब्र' (धैर्य) और 'शुक्र' (कृतज्ञता) की एक महान कार्यशाला है। जैसा कि कहा जाता है कि "सब्र का महीना है रमजान और सब्र का नाम है जन्नत," यह जुमला इस महीने की रूह को पूरी तरह समेटे हुए है। रमजान हमें सिखाता है कि इंसान अपनी बुनियादी जरूरतों (खाना-पीना) पर काबू पाकर कैसे अपने 'नफ्स' (इच्छाओं) को जीत सकता है। जब एक रोजेदार चिलचिलाती धूप और प्यास में भी पानी की एक बूंद को हाथ नहीं लगाता, तो वह असल में अपने भीतर उस सब्र को मजबूत कर

रहा होता है, जो उसे जीवन की हर मुश्किल में अडिग रहना सिखाता है। रोजा हमें केवल अल्लाह से ही नहीं जोड़ता, बल्कि बंदों से भी जोड़ता है। दिन भर की भूख और प्यास हमें समाज के उस गरीब तबके के दर्द का अहसास कराती है, जो अक्सर दो वक्त की रोटी के लिए जद्दोजहद करते हैं। यही अहसास इंसान के भीतर जकात और खैरात (दान) का जज्बा पैदा करता है, जिससे समाज में आर्थिक संतुलन और भाईचारा बढ़ता है। कुरान-ए-पाक इसी महीने में नाजिल हुआ, जो पूरी इंसानियत के लिए हिदायत की किताब है। रमजान हमें अपनी जुबान, आंखों और ख्यालों को पाक रखने की तालीम देता है। बुराई का जवाब खामोशी और सब्र से देना ही इस महीने का असली तोहफा है! अगर हम इस एक महीने के अनुशासन और सब्र को अपने बाकी के ग्यारह महीनों में भी उतार लें, तो हमारा समाज जन्नत का नमूना बन सकता है। आइए, इस रमजान सिर्फ भूखे न रहें, बल्कि अपने भीतर के इंसान को जगाएं, नफरतों को खत्म करें और सब्र का दामन थामकर जन्नत की राह चुनें।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अन्तर्गत 692 किसानों को डी0बी0टी0 के माध्यम से बैंक खातों में हुआ भुगतान

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में मुख्यमंत्री , उत्तर प्रदेश के करकमलों से कृषि विभाग द्वारा संचालित प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना एवं राजस्व विभाग द्वारा संचालित किसानों के संबंधित बीमा योजनाओं के लाभार्थी किसानों को One Click DBT के माध्यम से क्षतिपूर्ति वितरण समारोह का आयोजन NIC कलैक्ट्रेट, अमरोहा में किया गया। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अन्तर्गत 692 किसानों को 28.42 लाख रू० तथा कृषक दुर्घटना बीमा योजनान्तर्गत 34 किसानों के 161 लाख रू० डी०बी०टी० के माध्यम से सीधे

कृषकों के बैंक खातों में भुगतान किये गये। कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष भाजपा उदयवीर गोस्वामी, ओमप्रकाश गोला, मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र तथा मूतपूर्व सदस्य द्वारा प्रतीक के रूप में चैक एवं प्रमाण पत्र प्रदान किये गये। शेष लाभार्थियों के बीमा भुगतान की कार्यवाही प्रक्रियाधीन है। जनपद के समस्त किसान भाईयों को सूचित किया जाता है कि वह भारत सरकार डीएम एवं उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रायोजित रबी 2025-2026 मौसम में "प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना एवं पुनर्गठित गौसम आधारित फसल बीमा कराने हेतु योजना में अधिसूचित क्षेत्र में अधिसूचित फसलों को प्राकृतिक आपदाओं च रोके न जा सकने वाले अन्य जोखिमों यथा रोगों, कीटो से फसल नष्ट होने की निम्न परिस्थितियों में कृषकों, जिनके द्वारा अधिसूचित फसल का बीमा कराया गया है, को बीमा कवर के रूप में वित्तीय सहायता प्रदान की जायेगी।

धनौरा सीएचसी में आशा संगिनी बैठक का आयोजन

परिवार नियोजन व मातृ-शिशु स्वास्थ्य पर दिया जोर,लक्ष्य पूरा करने के दिए निर्देश

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के धनौरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में आशा संगिनियों की एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन कराया गया ।इस दौरान बैठक में परिवार नियोजन एवं मातृ शिशु स्वास्थ्य पर जोर देते हुए स्वास्थ्य विभाग की विभिन्न जनकल्याणकारी योजना की प्रगति समीक्षा की गई और दिए गए लक्ष्यों को समय से पूरा करने के निर्देश दिए गए। बता दें कि बैठक के मुख्य एजेंडे में जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम और संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देना प्राथमिकता पर रहा। जिला परिवार नियोजन लॉजिस्टिक प्रबंधक (NHM) सरिता कनौजिया ने परिवार नियोजन के साधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने पर जोर दिया। वहीं, UPTSU की जिला स्पेशलिस्ट कम्युनिटी हेल्थ शममो बेगम ने सामुदायिक स्तर पर स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच सुधारने के टिप्स दिए ।बैठक के दौरान आयुष्मान भारत योजना के तहत शत-प्रतिशत पात्र लाभार्थियों के आभा (ABHA) आईडी और आयुष्मान कार्ड बनाने के निर्देश दिए गए। इसके साथ ही, महिला एवं पुरुष नसबंदी के लक्ष्यों को समय से पूरा करने और गंभीर एनीमिया से ग्रसित गर्भवती महिलाओं की पहचान कर उन्हें उचित उपचार दिलाने पर भी विशेष चर्चा हुई ।सीएचसी प्रभारी डॉ. राहुल कुमार ने सभी स्वास्थ्य कर्मियों को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि कार्यों में किसी भी प्रकार की शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी और सभी को निर्धारित लक्ष्य समय सीमा के भीतर पूरे करने होंगे। इस दौरान ब्लॉक प्रोग्राम मैनेजर अभिषेक वर्मा, बीसीपीएम ममतेश कुमारी और एआरओ अमित कुमार ने भी विभागीय कार्यों की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की ।एक ओर जहां सीएचसी पर यह बैठक चल रही थी, वहीं दूसरी ओर देहात क्षेत्रों में बच्चों के स्वास्थ्य परीक्षण के लिए विशेष शिविरों का आयोजन किया गया।

डॉ. अनामिका, डॉ. सीमा, डॉ. कुलदीप शर्मा और दीपा यादव के नेतृत्व में टीमों ने बच्चों का वजन और लंबाई मापी ।इन शिविरों में कुपोषित बच्चों की पहचान की गई और उनके बेहतर पोषण व उपचार के लिए परिजनों को आवश्यक परामर्श दिया गया।

गजरौला में कार अनियंत्रित होकर खाई में पलटी, चालक घायल

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद की गजरौला औद्योगिक नगरी क्षेत्र में एक कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खाई में जाकर पलट गई। इस हादसे में चालक को कुछ मामूली चोटें आई हैं। उधर क्षतिग्रस्त कार को क्रेन की मदद से खाई से बाहर निकल गया। बता दें कि शनिवार को नगर थाना क्षेत्र के सलेमपुर-गजरौला मार्ग पर एक स्विफ्ट कार अनियंत्रित होकर खाई में जाकर पलट गई ,इस हादसे में चालक घायल हो गया। वहीं क्षतिग्रस्त कार को क्रेन की मदद से बाहर निकल गया। इस मामले में प्राप्त जानकारी के अनुसार बताया गया कि कार चालक दिलशाद निवासी गजरौला मोहल्ला बस्ती शनिवार की देर रात गांव सलेमपुर गोसाई से वापस अपने घर गजरौला जा रहा था तभी अचानक कार के सामने किसी पशु के आ जाने से कार अनियंत्रित हो गई और खाई में जाकर पलट गई ,इस हादसे में कार चालक दिलशाद घायल हो गया। और बामुश्किल कार से बाहर निकल कर किसी तरह अपने घर पहुंचा जिसके बाद उसने अपने परिजनों को साथ लेकर क्षतिग्रस्त कर को क्रेन की मदद से खाई से बाहर निकलवाया और मरम्मत के लिए भिजवा दिया।

नगर पालिका में 'स्वच्छ बसंत प्रतियोगिता' के तहत कचरा प्रबंधन पर महत्वपूर्ण बैठक सम्पन्न

गजरौलाअमरोहा (सब का सपना):- जनपद की गजरौला नगर पालिका में स्वच्छ बसंत प्रतियोगिता के अंतर्गत पालिका परिषद गजरौला एवं आईटीसी मिशन सुनहरा कल के संयुक्त तत्वावधान में पूर्व विधायक एवं स्वच्छता प्रेरक हरपाल सिंह के आवास पर एक विशेष बैठक का आयोजन कराया गया। जिसमें आईटीसी कोऑर्डिनेटर यशपाल सिंह ने विकेंद्रीकृत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन (DSWN) की जानकारी देते हुए

होम कंपोस्टिंग और सामुदायिक कंपोस्टर की कार्यप्रणाली को विस्तार से समझाया। बता दें कि शनिवार को आयोजित इस बैठक में इस बात पर जोर दिया गया कि नागरिक घर पर ही गीला और सूखा कचरा अलग-अलग करें। स्वच्छता प्रेरक हरपाल सिंह ने नगर वासियों से अपील करते हुए कहा कि वह कचरा पृथक्करण अपनाये और जैविक कचरे से घर पर ही खाद तैयार कर टेरेस गार्डन में उसका प्रयोग करें।

बैठक के दौरान वहां पूर्व विधायक एवं नगर स्वच्छता प्रेरक हरपाल सिंह, प्रमोद सागर, लेखाकार आदेश कुमार ,सभासदपति सुभाष, आईटीसी कोऑर्डिनेटर यशपाल सिंह, सफाई नायक महेश कुमार, जयचंद एवं नगर के अन्य नागरिक उपस्थित रहे।

मेगा विधिक सहायता शिविर का आयोजन, बाल विवाह उन्मूलन पर दिया गया जोर

चंदौसी/सम्भल(सब का सपना):- उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशन में तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सम्भल के तत्वाधान में रविवार को राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, चंदौसी में मेगा/वृहद विधिक सहायता एवं सेवा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में जनपद के विभिन्न विभागों ने भाग लेकर आमजन को सरकारी योजनाओं एवं विधिक अधिकारों की जानकारी दी। इस अवसर पर बच्चों की सुरक्षा के क्षेत्र में कार्यरत संस्था जस्ट राइट फोर चिल्ड्रेन की सहयोगी संस्था प्रयत्न संस्था को भी आमंत्रित किया गया। संस्था के प्रभारी गौरीशंकर चौधरी ने

बाल विवाह के विरुद्ध चलाए जा रहे सौ दिवसीय अभियान की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रन के संस्थापक भुवन रिभू का सपना है कि वर्ष 2030 तक भारत को बाल विवाह मुक्त बनाया जाए। यह लक्ष्य तभी संभव है जब समाज के सभी वर्ग मिलकर इस सामाजिक बुराई के खिलाफ एकजुट हों। शिविर में बताया गया कि 18 वर्ष से कम आयु की लड़की और 21 वर्ष से कम आयु के लड़के का विवाह कराना कानूनन अपराध है। बाल विवाह के आयोजन में शामिल होने वाले–चाहे वह विवाह कराने वाला पंडित हो, नाई, हलवाई, टेंट संचालक या अन्य सेवा प्रदाता–सभी के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई का प्रावधान है। ऐसे मामलों में दो वर्ष तक की सजा और एक लाख रुपये तक का जुमार्ना या दोनों हो सकते हैं। कार्यक्रम के दौरान लोगों से अपील की गई कि यदि कहीं भी बाल विवाह की सूचना मिले तो तुरंत चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, पुलिस 112 या जेआरसी हेल्पलाइन 1800-102-7222 पर जानकारी दें। वक्ताओं ने कहा कि आपका एक छोटा सा प्रयास किसी बच्चे का पूरा जीवन सुरक्षित और उज्ज्वल बना सकता है।

आगामी त्यौहारों के मद्देनजर अमन कमेटी की बैठक का किया गया आयोजन

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के गजरौला नगर कोतवाली में आगामी त्योहारों के मद्देनजर अमन कमेटी की बैठक का आयोजन कराया गया। इस बैठक में धनौरा की एसडीएम विभा श्रीवास्तव और गजरौला थाना प्रभारी मनोज कुमार सहित क्षेत्र के गणमान्य नागरिक और वर्तमान प्रधान बड़ी संख्या में मौजूद रहे। पुलिस प्रशासन ने सभी उपस्थित लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने और अपने क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने की अपील की। उन्होंने यह भी अनुरोध

किया कि यदि कोई संदिग्ध व्यक्ति या असामाजिक तत्व अशांति फैलाने का प्रयास करता है, तो तत्काल पुलिस को सूचित किया जाए।धनौरा की एसडीएम विभा श्रीवास्तव ने जोर देकर कहा कि कोई भी व्यक्ति नई परंपरा शुरू न करे। उन्होंने आश्वासन दिया कि पुलिस प्रशासन नागरिकों की सुरक्षा के लिए पूरी तरह से तैयार है।गजरौला थाना प्रभारी मनोज कुमार ने चेतावनी दी कि यदि किसी ने भी क्षेत्र में उपद्रव करने या कानून का उल्लंघन करने की कोशिश की, तो उसके खिलाफ गुंडा एक्ट जैसी कानूनी कार्रवाई की जाएगी और उसे बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने सभी से भाईचारे के साथ दोनों त्योहार मनाने और किसी भी तरह का विवाद उत्पन्न न होने देने का आग्रह किया।

शमशाद सैफी बने राजीव गांधी पंचायती राज संगठन के जिला अध्यक्ष

अमरोहा। कांग्रेस पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने शमशाद सैफी फतेहपुर खादर की सक्रियता और समर्पण को देखते हुए उन्हें 'राजीव गांधी पंचायती राज संगठन' का अमरोहा जिला अध्यक्ष नियुक्त किया है। उनकी इस नियुक्ति पर कार्यकताओं में खुशी की लहर है। शमशाद सैफी ने अपनी नियुक्ति पर पार्टी आलाकमान का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे जिले में पंचायती राज व्यवस्था को सुदृढ़ करने और लोकतंत्र की बुनियादी इकाइयों (ग्राम पंचायतों) को सशक्त बनाने के लिए निरंतर

कार्य करेंगे। उन्होंने कहा कि उनका मुख्य लक्ष्य राजीव गांधी जी के 'ग्राम स्वराज' के सपने को हर गांव तक पहुँचाना है। इस अवसर पर जिले के तमाम कांग्रेस पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने उन्हें बधाई दी और उम्मीद जताई कि उनके नेतृत्व में संगठन को एक नई दिशा मिलेगी।

गजरौला में प्रदूषण के खिलाफ 64वें दिन भी गरजा किसान आक्रोश, पुतले जलाकर सरकार को दी चेतावनी

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के औद्योगिक क्षेत्र के नाईपुरा व बगद नदी के आसपास बसे गांवों के किसान पिछले 64 दिनों से औद्योगिक प्रदूषण के विरोध में अनिश्चितकालीन धरने पर डटे हुए हैं। रविवार को धरना स्थल शहबाजपुर डोर पर हजारों की संख्या में पहुंचे किसानों ने प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और रासायनिक कारखानों के पुतले जलाकर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। ट्रैक्टर-ट्रालियों में सवार होकर आए अन्नदाताओं ने क्षेत्र को औद्योगिक जहर का शिकारह्व बताते हुए तत्काल ठोस कार्रवाई की मांग की। किसानों का आरोप है कि गजरौला के कैमिकल कारखानों से निकलने वाले जहरीले अपशिष्ट ने कभी सदानीरा रही बगद नदी को मृत

धारा में बदल दिया है। नदी में मछलियां और जलीय जीव समाप्त हो चुके हैं, जबकि औद्योगिक कचरे के कारण भूमिगत जल भी गंभीर रूप से दूषित हो गया है। इसका सीधा असर खेती, पशुपालन और मानव स्वास्थ्य पर पड़ रहा है। किसानों के अनुसार क्षेत्र में कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों के मामले बढ़ रहे हैं, मवेशी बीमार पड़ रहे हैं और फसल उत्पादन लगातार घट रहा है। धरना स्थल पर मौजूद किसान नेताओं ने कहा कि रासायनिक प्रदूषण के कारण पर्यावरणीय संतुलन बिगड़ चुका है। वसंत ऋतु प्रभावित हो रही है, आम के बागों में फूल सूख रहे हैं, परागण बाधित हो रहा है और फल समय से पहले झड़ रहे हैं। फसलों में फफूंदजनित रोगों का प्रकोप बढ़ गया है, जिससे किसानों की लागत बढ़ रही है और आय घट रही है। किसानों ने आरोप लगाया कि राष्ट्रीय हरित अधिकरण, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और मानवाधिकार आयोग जैसी संस्थाओं को कमजोर किया जा रहा है। जांच रिपोर्ट दबाई जा रही हैं और कारखानों को नियमों से छूट दी जा रही है। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि सरकार की प्राथमिकताएं पूंजीपतियों के पक्ष में हैं, जिससे पर्यावरण संरक्षण केवल कागजी बनकर रह गया है। किसानों ने चेतावनी दी कि यदि समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए तो यह संकट केवल किसानों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि देश की जीडीपी और आम आदमी की रसोई पर भी इसका असर पड़ेगा। उन्होंने जलवायु-अनुकूल कृषि और प्रदूषण-मुक्त औद्योगिक मॉडल पर युद्ध स्तर पर काम करने की मांग की। धरने के दौरान नरेंद्र मोदी और योगी आदित्यनाथ के मेरठ संबोधन में किसानों का उल्लेख न होने से आक्रोश और बढ़ गया। किसान नेताओं ने आंदोलन को और तेज करने की घोषणा की। धरने में राष्ट्रीय अध्यक्ष नरेश चौधरी, राष्ट्रीय मुख्य सचिव अरुण सिद्धू, प्रदेश अध्यक्ष रामकृष्ण चौहान, अल्पसंख्यक मोर्चा प्रभारी एवं मंडलाध्यक्ष एहसान अली सहित होमपाल सिंह, ओम प्रकाश सिंह, रमेश चंद्र, आजम चौधरी, हाजी नन्नू सैफी, सोमपाल सिंह, राजेंद्र सिंह, तनवीर सिंह समेत बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे।

आरसेटी बहजोई में 35 दिवसीय जूनियर ब्यूटी प्रैक्टिशनर प्रशिक्षण का नया बैच 23 फरवरी से

सीमित सीटें पहले आओझ्रपहले पाओ आधार पर मिलेगा प्रवेश शाम 5 बजे तक करें पंजीकरण

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- स्वरोजगार और कौशल विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से केनरा बैंक आर सेटी, बहजोई द्वारा 23 फरवरी सोमवार से जूनियर ब्यूटी प्रैक्टिशनर (ब्यूटी पार्लर)ह्ल का 35 दिवसीय नया प्रशिक्षण बैच शुरू किया जा रहा है। संस्थान के निदेशक विनीत तिवारी ने जानकारी देते हुए बताया कि यह कोर्स विशेष रूप से उन युवतियों और महिलाओं के लिए उपयोगी है जो ब्यूटी एवं वेलनेस क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाहती हैं या स्वयं का ब्यूटी पार्लर खोलकर आत्मनिर्भर बनना चाहती हैं। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण में ब्यूटी थेरेपी की बुनियादी तकनीकें, त्वचा व बालों की देखभाल, मेकअप, फेसियल, थ्रेडिंग, हेयर स्टाइलिंग,

ग्राहक प्रबंधन सहित व्यावहारिक जानकारी दी जाएगी। प्रशिक्षण पूर्णत व्यावहारिक आधारित होगा, जिससे प्रतिभागियों को अपने कौशल को निखारने और रोजगार,स्वरोजगार के बेहतर अवसर प्राप्त करने में मदद मिलेगी। संस्थान ने स्पष्ट किया है कि सीटें सीमित हैं और प्रवेश पहले आओझ्रपहले पाओ के आधार पर दिया जाएगा। इच्छुक अभ्यर्थियों से अनुरोध है कि वे सभी आवश्यक दस्तावेजों के साथ शाम 5 बजे तक संस्थान पहुंचकर पंजीकरण सुनिश्चित करें। यदि आपके मित्र या परिवार का कोई सदस्य प्रशिक्षण प्राप्त करना चाहता है,

तो उसे शीघ्र संस्थान भेजें ताकि वह इस अवसर का लाभ उठा सके। यह प्रशिक्षण आत्मनिर्भरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकता है। अधिक जानकारी के लिए इच्छुक अभ्यर्थी निम्न मोबाइल नंबरों पर संपर्क कर सकते हैं 05921-297253, 8808222447 संस्थान का उद्देश्य क्षेत्र की महिलाओं और युवाओं को कौशल प्रशिक्षण देकर उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है। इच्छुक उम्मीदवार समय रहते पंजीकरण कर इस सुनहरे अवसर का लाभ उठाएं।

जनपद सम्भल में स्ट्रॉबेरी की खेती से बदली किसानों की तस्वीर 10 गुना तक मुनाफा

संभल(सब का सपना):- जनपद में अब किसान पारंपरिक गेहूं-धान की खेती तक सीमित नहीं रहे। स्ट्रॉबेरी विकास योजना के तहत इस वर्ष जिले के 35 किसानों ने स्ट्रॉबेरी की खेती शुरू की है। सरकार की ओर से 25 हेक्टेयर लक्ष्य के सापेक्ष निजी प्रयासों से करीब 100 हेक्टेयर में स्ट्रॉबेरी की खेती हो रही है। जिला उद्यान अधिकारी सौरभ बंसल ने बताया कि एक हेक्टेयर में 12 13 लाख रुपये तक लागत आती है, जिसमें महाबलेश्वर (पुणे) और हिमाचल से मंगाए गए पौधे व मजदूरी प्रमुख हैं। हालांकि दिल्ली की आजादपुर मंडी नजदीक होने से विपणन में सुविधा मिलती है और किसान प्रति हेक्टेयर 7 8 लाख रुपये तक शुद्ध लाभ कमा रहे हैं। सरकार की ओर से ड्रिप सिंचाई, मलचिंग व पौध पर लघु एवं सीमांत किसानों को 90% तथा सामान्य श्रेणी को 80%

तक सब्सिडी दी जा रही है। प्रगतिशील किसान कुलदीप के अनुसार, स्ट्रॉबेरी की कमाई पारंपरिक खेती से लगभग 10 गुना अधिक है। संभल की स्ट्रॉबेरी की मांग दिल्ली के साथ कोलकाता, जयपुर, चंडीगढ़, लखनऊ, देहरादून व मेरठ जैसे शहरों में भी है। फसल चक्र सितंबर से मार्च तक रहता है और तुड़ाई जनवरी से शुरू होती है। किसानों को तकनीकी रूप से सक्षम बनाने के लिए कृषि विज्ञान केंद्र व ग्राम स्तर पर प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किए जा रहे हैं।

इच्छुक किसान uphorticulture.in पोर्टल या जिला उद्यान कार्यालय में आवेदन कर योजना का लाभ ले सकते हैं।

होली से पहले खाद्य सुरक्षा विभाग की बड़ी कार्रवाई अस्वच्छ हालत में मिले 250 किलो रसगुल्ले नष्ट

धनारी/सम्भल(सब का सपना):- होली पर्व को देखते हुए जिलाधिकारी के निर्देशन में जनपद में खाद्य एवं पेय पदार्थों में मिलावट रोकने के लिए खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा सघन अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में शनिवार को प्रवर्तन दल ने ग्राम भिरावटी, थाना धनारी स्थित प्रेमपाल पुत्र शिवराज की रसगुल्ला निर्माण इकाई का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सफेद रसगुल्ला का लगभग 250 किलोग्राम भंडारण अस्वच्छ एवं अस्वस्थकर परिस्थितियों में पाया गया। खाद्य पदार्थ मानकों के अनुरूप न होने पर मौके पर ही पूरे स्टॉक को नष्ट कराया गया। साथ ही संबंधित खाद्य कारोबार को अग्रिम आदेशों तक बंद रखने के निर्देश दिए गए। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने मौके से नमूना संग्रहित कर जांच के लिए प्रयोगशाला भेज दिया है। अधिकारियों ने बताया कि जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद नियमानुसार विधिक कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण टीम में मानवेन्द्र सिंह (सहायक आयुक्त खाद्य), राजेश कुमार सिंह एवं सुधीर कुमार सिंह (खाद्य सुरक्षा अधिकारी) शामिल रहे। विभाग द्वारा होली तक अभियान लगातार जारी रखने की बात कही गई है।

जनपद की तीनों तहसीलों में आयोजित हुआ संपूर्ण समाधान दिवस

शिकायतों का समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के लिए निर्देश

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- जनसामान्य की शिकायतों के त्वरित निस्तारण के उद्देश्य से शनिवार को जनपद की तीनों तहसीलों में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी डॉ.राजेंद्र पैंसिया की अध्यक्षता में तहसील सम्भल के सभागार में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। संपूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी ने शिकायतकर्ताओं की समस्या सुनकर मौके पर अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि शिकायतें लंबित न रखी जायें, शिकायतों को गम्भीरता से लिया जाये। संपूर्ण समाधान दिवस के दौरान पुलिस विभाग से संबंधित शिकायतों को सुना एवं संबंधित थानाध्यक्षों को निस्तारण के निर्देश दिए। तहसील सम्भल में आए प्रार्थना पत्रों को लेकर जिलाधिकारी ने कहा कि समस्त शिकायती पत्रों को संज्ञान में लेते हुए संबंधित अधिकारी गंभीरता पूर्वक शत प्रतिशत निस्तारण करना सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने कहा कि शिकायत का निस्तारण शीघ्र एवं निचले स्तर पर कर दिया जाए। सम्पूर्ण समाधान दिवस में अनुपस्थित मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी, अधीक्षण अभियंता विद्युत, अधिशासी अभियंता विद्युत संभल, जीएमडीआईसी,अधिशासी अभियंता जल निगम शहरी, सहायक निदेशक मत्स्य, जिला प्रोबेशन अधिकारी, जिला गन्ना अधिकारी, गन्ना निरीक्षक को स्पष्टीकरण जारी करने के जिलाधिकारी ने निर्देश दिए। शिकायतकर्ता प्रदीप कुमार प्रजापति की शिकायत कि कानूनगो द्वारा आराजी की निशान देही नहीं की जा रही है पर जिलाधिकारी द्वारा लापरवाही बरतने पर संबंधित कानूनगो संभल नगर क्षेत्र पंकज गुप्ता को स्पष्टीकरण जारी करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक कुलदीप सिंह,सिटी मजिस्ट्रेट सुधीर कुमार, उप जिलाधिकारी सम्भल रामानुज, क्षेत्राधिकारी सम्भल कुलदीप कुमार, डिप्टी कलेक्टर निधि पटेल, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर पंकज बिश्नोई सहित संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर मुख्यमन्त्री आरोग्य मेले का हुआ आयोजन

सम्भल(सब का सपना):- जनपद में 28 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों एवं 05 नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर 241वें मुख्यमन्त्री आरोग्य मेले का आयोजन किया गया। उक्त मेला सत्रों पर 37 चिकित्सकों एवं 137 पैरा-मेडिकल स्टाफ द्वारा कुल 2549 रोगियों (पुरुष रोगी- 1150; महिला रोगी- 969 एवं 430 बच्चों) का निःशुल्क उपचार गया। समस्त मेला सत्रों पर आयुष्मान भारत जन-आरोग्य योजना के अन्तर्गत 111 लाभार्थियों के गोल्डन कार्ड बनाये गये। जनपद में आयोजित समस्त मेला सत्रों पर बुखार के 286, चर्म रोग के 487, दमा के

369, मधुमेह रोग के 112, नेत्र रोग से सम्बन्धित 17, उच्च रक्तचाप के 75 तथा अन्य रोगों के मरीज देखे गये। बुखार के सम्बन्ध में 26 मरीजों की मलेरिया की तथा 09 रोगियों की डेंगू की जाँच की गयी; जिसमें सभी संदिग्ध मरीजों की रिपोर्ट ऋणात्मक (Negative) रही। जनपद के सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर परिवार नियोजन (फैमिली प्लॉनिंग) सम्बन्धी परामर्श व परिवार नियोजन सम्बन्धी सामग्री (चॉइस ऑफ बॉस्केट) के लिये अलग से एक काउन्टर बनाये गये। जिलाधिकारी के निदेशों के अनुपालन में जनपद की समस्त आशाओं के द्वारा सोर्स रिडक्सन एवं संचारी रोगों से बचाव के प्रति जागरुक किया गया तथा एक युद्ध नशे के विरुद्ध के अन्तर्गत 178 व्यक्तियों को तम्बाकू छोड़ो परामर्श भी दिया गया। आरोग्य मेला छात्रों पर आने वाले रोगियों में से 41 रोगियों को Telemanas Consultancy की सुविधा भी उपलब्ध कराई गयी। जनपद में आयोजित समस्त मेला सत्रों का कार्यवाहक मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर पंकज कुमार बिश्नोई तथा अन्य जनपद स्तरीय अधिकारियों द्वारा आरोग्य मेला सत्रों का निरीक्षण किया गया।

राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारियां को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित

चंदौसी/सम्भल(सब का सपना):- राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं उ.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण उ.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ द्वारा जारी दिशा-निदेर्शों के अनुपालन में आगामी 14 मार्च को प्रस्तावित राष्ट्रीय लोक अदालत के सफल आयोजन एवं व्यापक प्रचार-प्रसार को लेकर शनिवार को एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता नोडल अधिकारी राष्ट्रीय लोक अदालत/विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट संभल स्थित चंदौसी ने की। यह बैठक शाम 4:30 बजे विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट के विश्राम कक्ष में आयोजित हुई, जिसमें प्रशासन के समस्त संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे। बैठक का मुख्य उद्देश्य जनपद में

लंबित मामलों और नागरिकों की समस्याओं का त्वरित, सुलभ एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित करना रहा। अधिकारियों ने बताया कि लोक अदालत का उद्देश्य आमजन को सरल प्रक्रिया के माध्यम से शीघ्र न्याय उपलब्ध कराना है, जिससे समय और धन दोनों की बचत हो सके। बैठक में राजस्व संबंधी मामलों, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं, पेंशन प्रकरणों, श्रम विवादों, बैंक मामलों तथा अन्य जनहित विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। नोडल अधिकारी ने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे लंबित प्रकरणों के शीघ्र निस्तारण के लिए सक्रिय भूमिका निभाएं, जनसुनवाई प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और प्रभावी बनाएं तथा विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करें। साथ ही यह भी निर्देश दिए गए कि पात्र लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ समय पर उपलब्ध कराया जाए। बैठक में सिटी मजिस्ट्रेट सुधीर कुमार, ए.आर.टी.ओ. अमिताभ चतुर्वेदी, तहसीलदार चंदौसी रवि सोनकर, तहसीलदार संभल धीरेन्द्र सिंह, तहसीलदार गुन्नौर रविन्द्र विक्रम, पूर्ति निरीक्षक आशीष गुप्ता, नगर पालिका अध्यक्ष चंदौसी लता वार्ष्णेय, नगर पालिका अध्यक्ष बहजोई राजेश शंकर राजू, नगर पंचायत अध्यक्ष सर्वेश दिवाकर, नगर पंचायत सिरसी के प्रतिनिधि मो. नईम तथा नगरपालिका अध्यक्ष बबराला हर्षवर्धन सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। प्रशासन ने आमजन से अपील की है

कि वे 14 मार्च को आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर अपने लंबित मामलों का निस्तारण कराएं और त्वरित न्याय का लाभ उठाएं।

देर रात तेज आवाज में डीजे बजाने पर दो गिरफ्तार, वाहन सीज

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- जनपद में कानून व्यवस्था एवं ध्वनि प्रदूषण नियंत्रण को लेकर पुलिस प्रशासन लगातार सतर्क नजर आ रहा है। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार के कुशल निर्देशन में जनपद में शांति व्यवस्था बनाए रखने हेतु विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक कुलदीप सिंह तथा क्षेत्राधिकारी बहजोई डॉ. प्रदीप कुमार सिंह के प्रभावी नेतृत्व में थाना बहजोई पुलिस द्वारा देर रात तक अत्यधिक आवाज में डीजे बजाने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार बहजोई बाजार एवं ग्राम पंवासा क्षेत्र में देर रात तक उच्च

ध्वनि स्तर पर डीजे बजाए जाने की शिकायतें लगातार मिल रही थीं। ध्वनि प्रदूषण के कारण आम नागरिकों, बुजुर्गों, बच्चों एवं विद्यार्थियों को काफी असुविधा का सामना करना पड़ रहा था। शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए थाना बहजोई पुलिस टीम ने तत्काल मौके पर पहुंचकर जांच की। जांच के दौरान पाया गया कि निर्धारित समय सीमा के बाद भी अत्यधिक तेज आवाज में डीजे संचालित किया जा रहा था, जिससे ध्वनि प्रदूषण नियमों का स्पष्ट उल्लंघन हो रहा था। पुलिस टीम ने मौके पर कार्रवाई करते हुए दो डीजे संचालकों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान रितिक पुत्र राजवीर (26) तथा गौरव पुत्र जयप्रकाश (22) के रूप में हुई है। कार्रवाई के दौरान संबंधित डीजे वाहन को भी विधि अनुसार सीज कर दिया गया। पुलिस द्वारा दोनों अभियुक्तों के विरुद्ध आवश्यक धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है। गिरफ्तार अभियुक्तों को न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है। पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट संदेश दिया है कि रात्रि में निर्धारित समय सीमा के बाद डीजे बजाने, ध्वनि प्रदूषण फैलाने अथवा कानून व्यवस्था भंग करने वालों के विरुद्ध भविष्य में भी इसी प्रकार कठोर कार्रवाई जारी रहेगी। जनपद सम्भल पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि अथवा नियमों के उल्लंघन की सूचना तत्काल पुलिस को दें, ताकि समय रहते उचित कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

रमजान का चौथा रोजा मस्जिदों में नमाज, घरों में इफ्तार की रौनक, रोजेदारों में खास उत्साह

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- पवित्र माह रमजान का चौथा रोजा रविवार को अकीदत और एहतराम के साथ रखा गया। सुबह से ही रोजेदारों में खास उत्साह दिखाई दिया। सहरी के बाद लोगों ने रोजे की नियत की और दिनभर इबादत, तिलावत और नेक कामों में समय बिताया। शाम होते ही मस्जिदों में नमाज अदा की गई और इफ्तार के समय घरों व मस्जिदों में रौनक देखने को मिली। खजूर, फल, पकौड़ी और अन्य पारंपरिक व्यंजनों के साथ रोजा खोला गया। कई स्थानों पर सामूहिक इफ्तार का आयोजन भी किया गया। उलेमाओं ने बताया कि रमजान का महीना सब्र, त्याग और भाईचारे का संदेश देता है। रोजा केवल भूखा-प्यासा

रहने का नाम नहीं, बल्कि अपने आचरण और व्यवहार को बेहतर बनाने का अवसर है। चौथे रोजे के साथ ही इबादत का सिलसिला और तेज हो गया है। मस्जिदों में तरावीह की नमाज में भी बड़ी संख्या में अकीदतमंद शामिल हो रहे हैं। रमजान के इस पाक महीने में जरूरतमंदों की मदद, जकात और सदका देने पर भी विशेष जोर दिया जा रहा है, ताकि समाज में आपसी सहयोग और मानवता की भावना मजबूत हो सके।

पुलिस द्वारा चलाया गया विशेष सघन वाहन चैकिंग अभियान

यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध मोटर वाहन अधिनियम के अंतर्गत किए गए चालान

सम्भल(सब का सपना):- जनपद में कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने के साथ-साथ यातायात व्यवस्था को सुरक्षित और सुव्यवस्थित करने के उद्देश्य से शनिवार को विशेष सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। यह अभियान पुलिस अधीक्षक संभल कृष्ण कुमार विश्नोई के निर्देशन में जनपद भर में एक साथ संचालित किया गया। अभियान के तहत जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों, प्रमुख चौराहों, बाजारों एवं व्यस्त मार्गों पर पुलिस टीमों द्वारा व्यापक वाहन चेकिंग की गई। इस दौरान दोपहिया एवं चारपहिया वाहनों की सघन जांच करते हुए यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध मोटर वाहन अधिनियम के अंतर्गत चालान की

कार्रवाई की गई। बिना हेलमेट वाहन चलाने, सीट बेल्ट का प्रयोग न करने, ओवरलोडिंग, तेज गति एवं दस्तावेजों की कमी जैसे मामलों में विशेष रूप से कार्रवाई की गई। पुलिस अधीक्षक ने स्पष्ट किया कि यह अभियान केवल चालान की कार्रवाई तक सीमित नहीं है, बल्कि आमजन में यातायात नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ाना भी इसका मुख्य उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने और लोगों की जान-माल की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए यातायात नियमों का पालन अत्यंत आवश्यक है। पुलिस विभाग ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे दोपहिया वाहन चलाते समय अनिवार्य रूप से हेलमेट पहनें तथा चारपहिया वाहन में सीट बेल्ट का प्रयोग करें। साथ ही वाहन के आवश्यक दस्तावेज अपने पास रखें और यातायात संकेतों का पालन करें। अधिकारियों ने बताया कि जनपद में आगे भी इसी प्रकार के सघन चेकिंग अभियान नियमित रूप से चलाए जाते रहेंगे, ताकि कानून-व्यवस्था के साथ-साथ यातायात व्यवस्था भी मजबूत बनी रहे और आमजन सुरक्षित यात्रा कर सकें।

बिजनौर में मेगा विधिक सहायता एवं सेवा शिविर का आयोजन, 172 लाभार्थी हुए लाभान्वित

बिजनौर (सब का सपना):- उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निदेशानुसार तथा जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष के मार्गदर्शन में रविवार को जनपद बिजनौर में मेगा/बृहद विधिक सहायता एवं सेवा शिविर का आयोजन आर0जे0पी0 इंटर कॉलेज परिसर में किया गया। शिविर का शुभारम्भ जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय, मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण के पीठासीन अधिकारी, जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक तथा अन्य अधिकारियों द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम का संचालन जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बिजनौर की देखरेख में हुआ। विभिन्न विभागों की सक्रिय भागीदारी मेगा शिविर में जनपद के अनेक सरकारी विभागों–पुलिस विभाग, नगर पालिका परिषद, तहसील प्रशासन, समाज कल्याण विभाग, पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग, दिव्यांग सशक्तीकरण विभाग, महिला एवं बाल विकास, पंचायती राज, ग्रामीण विकास, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम, खाद्य एवं रसद, परिवहन, स्वास्थ्य, कौशल विकास, कृषि, पशुपालन, युवा कल्याण सहित अन्य विभागों ने सक्रिय रूप से प्रतिभाग किया और जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी व सेवाएं प्रदान कीं। शिविर के दौरान विभिन्न सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के अंतर्गत 172 लाभार्थियों को लाभान्वित किया गया। इनमें मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, वृद्धावस्था पेंशन योजना, बाल सेवा योजनानिर्माण कामगार मृत्यु एवं दिव्यांगता सहायता योजना, मातृत्व, शिशु एवं बालिका सहायता योजना आदि प्रमुख रूप से शामिल रहीं। कार्यक्रम में करीब 1500 लोगों ने भाग लेकर विधिक परामर्श, सहायता सेवाओं तथा सरकारी योजनाओं की जानकारी प्राप्त की। अधिकारियों ने अपने संबोधन में विधिक सेवा प्राधिकरण की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए आमजन से अपील की कि वे निःशुल्क विधिक सहायता योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाएं। न्यायिक अधिकारियों, प्रशासनिक तंत्र और विभिन्न विभागों के संयुक्त सहयोग से शिविर का सफल आयोजन संभव हो सका। यह आयोजन आमजन को न्याय तक सरल पहुंच उपलब्ध कराने तथा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं को जमीनी स्तर तक पहुंचाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।

नूरपुर अरब में मनरेगा घोटाले का खुलासा, ग्राम रोजगार सेवक पर एफआईआर के निर्देश

बिजनौर (सब का सपना):- जिलाधिकारी जसजीत कौर ने जानकारी देते हुए बताया कि ग्राम नूरपुर अरब निवासी प्रमोद द्वारा दिए गए शिकायती पत्र में लगाए गए आरोपों को गंभीरता से लेते हुए मामले की जांच कराई गई। शिकायत में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के अंतर्गत भारी अनियमितताओं की बात कही गई थी। उपायुक्त (श्रम रोजगार) द्वारा की गई जांच में पाया गया कि ग्राम पंचायत नूरपुर अरब के ग्राम रोजगार सेवक शहबाज ने अपने परिवारजनों के डुप्लीकेट जॉब कार्ड जारी किए, बिना कार्य कराए फर्जी मस्टररोल भरे, एक बिरादरी के व्यक्तियों के नाम दूसरी बिरादरी के जॉब कार्डों में जोड़कर कूटरचना की,काल्पनिक व्यक्तियों के नाम पर जॉब कार्ड बनाकर भुगतान दशार्या, तथा आंगनबाड़ी सहायिका के नाम से भी फर्जी मस्टररोल तैयार कर धनराशि का भुगतान कराया। जांच में कुल ड्ट4,67,436/- की सरकारी धनराशि के दुर्विनियोग/व्यपहरण की पुष्टि हुई। जिलाधिकारी ने खंड विकास अधिकारी/ कार्यक्रम अधिकारी, विकास खंड कोतवाली को निर्देश दिए हैं कि आरोपित ग्राम रोजगार सेवक के विरुद्ध फर्जी जॉब कार्ड बनाने, अभिलेखों में कूटरचना, काल्पनिक नाम जोड़ने और सरकारी धन के गबन से संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कराना सुनिश्चित कराने का आदेश दिया। साथ ही सहायक विकास अधिकारी (पंचायत) को निर्देशित किया गया है कि नियमानुसार ग्राम पंचायत की कार्यवाही कराकर आरोपी ग्राम रोजगार सेवक की संविदा समाप्त कराई जाए। जिला पंचायतराज अधिकारी को ग्राम पंचायत की बैठक शीघ्र आयोजित कराने के निर्देश दिए गए हैं।

जिला कार्यक्रम अधिकारी को संबंधित आंगनबाड़ी सहायिका के विरुद्ध कठोर अनुशासनिक कार्रवाई तथा धनराशि की वसूली सुनिश्चित करने को कहा गया है। जिलाधिकारी ने कहा कि यह प्रकरण गंभीर वित्तीय अनियमितता और पद के दुरुपयोग से संबंधित है। इसलिए सभी संबंधित अधिकारी तत्काल प्रभाव से नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित करें।

इकबाल मेमोरियल जूनियर हाईस्कूल में एक किया गया विदाई समारोह का आयोजन

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- इकबाल मेमोरियल जूनियर हाईस्कूल में एक सादे एवं गरिमामय समारोह का आयोजन कर कक्षा 7 के छात्र-छात्राओं ने सीनियर छात्रों को विदाई दी। कार्यक्रम की शुरूआत सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से हुई, जिसमें विद्यार्थियों ने गीत, भाषण और अन्य रचनात्मक कार्यक्रम प्रस्तुत कर माहौल को भावुक और उत्साहपूर्ण बना दिया। विदाई समारोह में मिस्टर सुबाहन फेयरवेल तथा अलसबाह नाज मिस फेयरवेल चुने गए। कार्यक्रम का संचालन सहायक अध्यापक इकरा जैदी ने किया। विद्यालय की प्रधान अध्यापिका कु. फरहीन ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि वे मेहनत और लगन से पढ़ाई पर ध्यान दें तथा मोबाइल फोन से दूरी बनाकर अपने लक्ष्य की ओर अग्रसर हों। उन्होंने छात्रों को शिक्षित होकर विद्यालय, माता-पिता और शहर का नाम रोशन करने तथा देश सेवा के लिए आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों ने अपने सीनियर साथियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें भावभीनी विदाई दी।

बीमारी से परेशान व्यक्ति ने पेड़ से लगाई फांसी, परिवार में मचा कोहराम

नगीना/बिजनौर(सब का सपना):- लंबे समय से बीमारी से जूझ रहे एक 42 वर्षीय व्यक्ति ने मानसिक तनाव में आकर जंगल में पेड़ से लटककर आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया और पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। थाना क्षेत्र के ग्राम रामपुर दास गावड़ी उर्फ पटपरा निवासी बृजेश कुमार (42 वर्ष) पुत्र रोहिताश पिछले काफी समय से अस्वस्थ चल रहे थे। परिजनों के अनुसार बीमारी के कारण वह लगातार मानसिक रूप से परेशान रहने लगे थे। शनिवार देर शाम वह घर से निकले और पास के जंगल में जाकर आम के पेड़ पर फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। रविवार सुबह खेतों की ओर जा रहे ग्रामीणों ने जब पेड़ पर शव लटका देखा तो तुरंत गांव में सूचना दी। खबर मिलते ही परिजन रोते-बिलखते मौके पर पहुंचे। देखते ही देखते सैकड़ों ग्रामीण घटनास्थल पर एकत्र हो गए और वातावरण गमगीन हो उठा। ग्रामीणों की सूचना पर उत्तर प्रदेश पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को पेड़ से नीचे उतरवाकर कब्जे में लिया और पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक अपने पीछे दो छोटे पुत्र–साहिल (10 वर्ष) और अर्दीत (7 वर्ष)– को छोड़ गया है। बच्चों और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। गांव में घटना के बाद मातम का माहौल बना हुआ है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

अंग्रेजी का पेपर रहा स्कोरिंग, लंबे उत्तर को लिखना बनी चुनौती; आपस में चर्चा करते दिखे परीक्षार्थी

एजेंसी

नोएडा। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की ओर से 10 वीं कक्षा का शनिवार को अंग्रेजी विषय का पेपर आयोजित किया गया। प्रश्न पत्र हाथ में आते ही छात्रों ने राहत की सांस ली। परीक्षा केंद्र से निकलते ही छात्रों के बीच पेपर का स्तर का चर्चा का विषय बन गया। छात्रों का कहना था कि प्रश्न पत्र आसान था। पेपर पूरी तरह संतुलित और स्कोरिंग था। कम्यूनिकेशन सेक्शन आसान और लिटरेचर पूरी तरह एनसीईआरटी के आधार पर रहा। जिस तरह गणित के पेपर ने परेशान किया था उतना ही अंग्रेजी के विषय ने काफी राहत तो दी लेकिन लंबे प्रश्न लिखने के साथ समय पर पूरा करने की चेतावनी भी रही।अंग्रेजी विषय की शिक्षिका शीतल सिंह ने बताया कि प्रश्नपत्र काफी बेहतर, संतुलित और पाठ्यक्रम पर आधारित था। सेट 1 और 2 में थोड़े कठिन प्रश्न जरूर थे लेकिन सेट 3 का प्रश्नपत्र सरल था। रीडिंग, राइटिंग, ग्रामर और लिटरेचर इन सभी सेक्शन में विद्यार्थी को परखने के दृष्टिकोण से उचित प्रश्न पूछे गए थे। वहीं, पिछले वर्षों के सेंपल पेपर्स के अभ्यास से विद्यार्थियों को प्रश्नपत्र हल करने में सहजता हुई। सीबीएसई 12 वी कक्षा का फैशन स्टडीज और आटोमोटिव विषय का पेपर आयोजित किया गया ।मुझे सेट 3 का प्रश्न पत्र मिला था। सरल प्रश्नपत्र देख खुशी तो बहुत हुई लेकिन लंबे उत्तर को समय के अंदर लिखने का जो दबाव होता है उसे मैनेज करने में अभ्यास कार्य से बहुत सहायता मिली। - दीपांशु यादव, छात्र

मुझे सेट 3 का प्रशन पत्र मिला था। प्रश्नपत्र आसान था। राइटिंग स्किल का नियमित अभ्यास ने मदद की। जिससे सेक्शन सी के लिटरेचर के लंबे उत्तर को लिखने में आसानी हुई।

होली पर निकलेगी भव्य नरसिंह शोभायात्रा, समिति की बैठक में तय हुई रूपरेखा

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- होली पर्व के अवसर पर नगर में निकलने वाली ऐतिहासिक नरसिंह शोभायात्रा को इस वर्ष अधिक भव्य और आकर्षक बनाने के लिए श्री नरसिंह भगवान सेवा समिति की कार्यकारिणी बैठक आयोजित की गई। बैठक लोहिया धर्मशाला, निकट खोखर महादेव मंदिर परिसर में संपन्न हुई, जिसमें शोभायात्रा की विस्तृत रूपरेखा तय की गई। बैठक में कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए नए सदस्यों को शामिल किया गया तथा आयोजन की विभिन्न जिम्मेदारियां कार्यकताओं में बांटी गईं। सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि इस वर्ष शोभायात्रा में आकर्षक झांकियां, ढोल, बैंड और पारंपरिक धार्मिक प्रस्तुतियों के माध्यम से आयोजन को विशेष स्वरूप दिया जाएगा। समिति अध्यक्ष अनंत जैन ने बताया कि होली पर्व पर निकलने वाली यह पारंपरिक नरसिंह शोभायात्रा इस बार पूर्व वर्षों की अपेक्षा अधिक भव्य होगी। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार शोभायात्रा 3 मार्च 2026 को सायं 5 बजे श्री पीपल महादेव मंदिर प्रांगण से प्रारंभ होगी। वहां से यह मोहल्ला चौधराना स्थित देवता मंदिर पहुंचेगी, जहां हवन-पूजन के उपरांत यात्रा नगर के मुख्य बाजारों से होती हुई रेलवे स्टेशन पर जाकर संपन्न होगी।

बैठक में उपाध्यक्ष शुभम गुप्ता, अपुल जैन, सचिव आशीष जैन, लक्ष्मण सैनी, मंत्री विभोर जैन सहित अनेक सदस्य–दीपक सोती, रॉबिन गौतम, रॉकी, शिवम सोती, रोहन भारद्वाज, अमन यादव, श्रियम, मोहित गर्ग, तनिष्क गुप्ता, कार्तिक, विपुल जैन, शुभम आदि उपस्थित रहे। समिति पदाधिकारियों ने नगरवासियों से शोभायात्रा में अधिक से अधिक संख्या में सहभागिता कर धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपरा को सफल बनाने की अपील की।

नशे में तलवार लहराते वीडियो वायरल, समझाने गए युवक पर हमला

नजीबाबाद/बिजनौर (सब का सपना):- क्षेत्र में उस समय हड़कंप मच गया जब एक युवक का शराब के नशे में तलवार लहराते हुए वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया। घटना में बीच-बचाव करने गए एक युवक पर तलवार से हमला कर दिया गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। बताया जा रहा है कि मामला गाजीपुर कुतुब मौजपुर का है, जहां मुकेश नामक युवक शराब के नशे में हाथ में तलवार लेकर सड़कों पर घूमता रहा और लोगों में दहशत फैलाता रहा। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार युवक नशे की हालत में राह चलते लोगों को डराने-धमकाने लगा। स्थानीय लोगों ने जब उसे समझाने का प्रयास किया तो वह उग्र हो गया और राजवीर नामक युवक पर तलवार से वार कर दिया। हमले में राजवीर के हाथ में गंभीर चोट आई। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और आसपास के लोगों ने घायल को उपचार के लिए भेजा। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस का कहना है कि वायरल वीडियो के आधार पर आरोपी की पहचान कर ली गई है तथा उसके खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है। घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल है। स्थानीय लोगों ने सार्वजनिक स्थानों पर इस तरह की घटनाओं पर सख्त कार्रवाई की मांग की है, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

जौनपुर में सूने मकान में लाखों की चोरी

जौनपुर,(एजेंसी) । लाइन बाजार थाना क्षेत्र की चंद्रिका सिंह कॉलोनी में शनिवार देर रात चोरों ने मेन गेट का ताला तोड़कर घर में घुसे। कमरों में रखी कई अलमरियों को तोड़ डाला। उन्होंने अलमारी के लॉकर से सात हजार रुपये नगद सहित लगभग दो लाख रुपये के गहने चुरा लिए। रविवार सुबह पीड़ित ने चोरी की तहरीर पुलिस को दी है। सीओ सिटी गोल्डी गुप्ता ने बताया कि जिस मकान में चोरी हुई है वह उमेश मिश्रा का है। उनका परिवार पिछले कुछ दिनों से गांव में रह रहा था। मकान पर उनका पुत्र रहता था, जो शनिवार शाम छह बजे गांव चला गया। रात नौ बजे जब उमेश पत्नी के साथ मकान पर पहुंचे, तो उन्होंने चोरी का पता चला। पीड़ित ने घटना की सूचना सीओ सिटी गोल्डी गुप्ता को दी। उन्होंने तत्काल टीडी कॉलेज चौकी प्रभारी अरविंद यादव को मौके पर भेजा। पुलिस ने रात से ही कॉलोनी में लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच-पड़ताल शुरू कर दी। सीसीटीवी कैमरे में देखने से पता चला है कि ढाई घंटे तक घर में किसी की मौजूदगी न होने का फायदा उठाते हुए चोरों ने मेन गेट का ताला तोड़ा और बारी-बारी से सभी कमरों की अलमारियों व लॉकर को तोड़कर पूरे घर को खंगाल डाला। उमेश मिश्रा ने बताया कि चोर एक सोने की चेन, चांदी का प्लेट, नारियल, सुपारी, पायल सहित कुछ अन्य गहने और सात हजार रुपये नगद ले गए। पिछले वर्ष 14 नवंबर की रात को भी इसी कॉलोनी के नरेंद्र बहादुर सिंह के आवास पर सात लाख रुपये के गहनों की चोरी हुई थी।

कपड़ा बदलने को लेकर विवाद में मारपीट से तीन घायल

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- रेडीमेड कपड़ा बदलने को लेकर दुकानदार और ग्राहक पक्ष के बीच हुआ विवाद देखते ही देखते मारपीट में बदल गया। घटना में तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों ने मेडिकल परीक्षण कराने के बाद पुलिस से कार्रवाई की मांग की है। मोहल्ला लूहारी सराय निवासी मौ. अजगर का पुत्र फरमान कुरैशी, जो विदेश में रहता है, इन दिनों छुट्टी पर घर आया हुआ है। बताया जाता है कि फरमान की पत्नी ने मोहल्ला पंजाबियान स्थित मीना बाजार में सीमा गार्मेंट्स से लगभग 2500 रुपये का सूट खरीदा था। बाद में सूट बदलने के लिए वह अपने पति के साथ दुकान पर पहुंची, लेकिन दुकानदार ने सामान बदलने से इंकार कर दिया। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों में कहासुनी और गाली-गलौज शुरू हो गई। मामला बढ़ने पर फरमान घर लौट गया और अपने भाइयों के साथ दोबारा दुकान पर पहुंच गया। इसके बाद बाजार में दोनों पक्षों के बीच जमकर मारपीट हुई, जिससे वहां अफरातफरी मच गई। बताया जाता है कि दुकानदार, उसके भाई तथा आसपास के अन्य लोगों ने मिलकर फरमान, इमरान और शाहबान को पीट दिया, जिससे तीनों घायल हो गए। सूचना मिलने पर उत्तर प्रदेश पुलिस मौके पर पहुंची और दुकानदार पक्ष के चार-पांच लोगों को हिरासत में लेकर थाने ले गई।

पुलिस ने घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजकर उनका मेडिकल परीक्षण और उपचार कराया। समाचार लिखे जाने तक मामले में रिपोर्ट दर्ज नहीं हुई थी। पुलिस का कहना है कि तहरीर मिलने पर जांच के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

मुकदमे की तारीख पर आई महिला की तीन माह की बच्ची को पति ले गया, बरामदगी की गुहार

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- मुकदमे की तारीख पर न्यायालय गई एक महिला की तीन माह की बालिका को उसके पति द्वारा कथित रूप से साथ ले जाने का मामला सामने आया है। पीड़िता ने बच्ची की बरामदगी के लिए पुलिस से कार्रवाई की मांग की है। मोहल्ला शेखसराय निवासी शरीफ अहमद की पुत्री अजरा का निकाह 8 नवंबर 2017 को थाना क्षेत्र के ग्राम तुखमापुर निवासी सिराजुद्दीन के साथ हुआ था। विवाह के बाद अजरा ने दो पुत्रियों को जन्म दिया। पारिवारिक विवाद बढ़ने पर मामला पुलिस और न्यायालय तक पहुंच गया और अजरा अपनी दोनों बच्चियों के साथ मायके में रहने लगी। बताया गया कि 2 फरवरी 2026 को अजरा अपनी दोनों पुत्रियों के साथ मुकदमे की तारीख पर बिजनौर न्यायालय पहुंची थी। वहीं उसका पति सिराजुद्दीन भी आ गया। अजरा का आरोप है कि बातचीत के दौरान पति बच्चियों को खिलाने के बहाने पास ले गया और उसकी एक पुत्री माही (लगभग तीन माह) को लेकर चला गया। पीड़िता ने इस संबंध में उत्तर प्रदेश पुलिस को तहरीर देकर रिपोर्ट दर्ज कराई। मामला दोनों परिवारों का क्षेत्राधिकारी नगीना होने के कारण संबंधित मुकदमा नगीना थाने स्थानांतरित कर दिया गया। पुलिस ने बच्ची की बरामदगी के लिए आरोपी के संभावित ठिकानों पर दबिश दी, लेकिन अब तक कोई सुराग नहीं लग सका है। करीब 20 दिन बीत जाने के बाद भी बच्ची का पता न चलने पर पीड़िता अपनी मां और दूसरी पुत्री के साथ तहसील सभागार में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में पहुंची और अंजनी कुमार चतुर्वेदी से बच्ची को बरामद कराने की गुहार लगाई। सीओ ने पीड़िता को आश्वस्त करते हुए बताया कि थाना प्रभारी के नेतृत्व में पुलिस टीम बच्ची की तलाश में जुटी है और शीघ्र ही उसे बरामद करने का प्रयास किया जा रहा है। मामले की जांच जारी है।

दिल्ली के द्वारका में सक्रिय लुटेरे गिरोह का भंडाफोड़, नाबालिग सरगना समेत तीन गिरफ्तार

पश्चिमी दिल्ली। द्वारका साउथ थाना पुलिस ने एक ऐसे गिरोह के तीन सदस्यों को पकड़ा है, जिसका सरगना नाबालिग है। गिरफ्तार आरोपितों में गिरोह का नाबालिग सरगना भी शामिल है। गिरोह ने कुछ घंटों के भीतर लूट और झपटमारी की कई वारदातों को अंजाम देकर इलाके में सनसनी फैला दी थी। इंस्पेक्टर रमेश चंद की देखरेख में गठित टीम, जिसमें हेड कॉन्स्टेबल प्रवीण यादव भी थे, ने 50 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने और तकनीकी सर्विलांस की मदद से आरोपियों को सेक्टर-8 द्वारका से उस वक्त दबोचा, जब वे किसी नई वारदात को अंजाम देने जा रहे थे। सोशल मीडिया पर हथियार के साथ डालता था फोटो द्वारका जिला पुलिस उपायुक्त अंकित कुमार सिंह के अनुसार आरोपित सोशल मीडिया पर हथियारों के साथ अपनी फोटो डालकर अपना दबदबा बनाना चाहता था। पुलिस ने इनके पास से एक पिस्टल, कारतूस और वारदात में इस्तेमाल की गई दो मोटरसाइकिलें (अपाचे और स्प्लेंडर) बरामद की हैं। एक ही रात में की कई वारदातें 29 और 30 जनवरी की मध्य रात इस गिरोह ने द्वारका सेक्टर-8 में एक डिलीवरी ब्वाय को हथियार दिखाकर उसका मोबाइल लूट लिया था। जांच के दौरान पता चला कि इसी रात गिरोह ने एक टैक्सी चालक की बेरहमी से पिटाई कर उसका मोबाइल छीना और फिर लगातार चार और लोगों से मोबाइल लूटे। जेल में बंद भाई के नक्शेकदम पर नाबालिग गिरोह का सरगना महज 17 साल का किशोर है। उसका भाई भी एक कुख्यात अपराधी है, जो पुलिस पर फायरिंग के मामलों में फिलहाल जेल में बंद है। पुलिस ने इस गिरफ्तारी से लूट, झपटमारी और आर्म्स एक्ट के कुल 6 मामले सुलझाने का दावा किया है।

दिल्ली पुलिस ने दबोचा 15 मामलों का आरोपी, चोरी की स्कूटी और बटनदार चाकू बरामद

पश्चिमी दिल्ली। पंजाबी बाग थाना क्षेत्र स्थित मादीपुर पुलिस चौकी ने एक लूट व वाहन चोरी के आरोपित को गिरफ्तार किया है। आरोपित का नाम भारत उर्फ मिर्ची है। पुलिस ने इसके कब्जे से चोरी की एक स्कूटी और एक बटनदार चाकू बरामद किया है। गश्त के दौरान पकड़ा गया पश्चिमी जिला पुलिस उपायुक्त डीएस भास्कर के अनुसार, 20 फरवरी की रात करीब सवा आठ बजे मादीपुर चौकी की टीम झील वाला पार्क के पास गश्त पर थी। इसी दौरान स्कूटी सवार एक संदिग्ध व्यक्ति पुलिस को देखकर यू-टर्न लेकर भागने लगा। सतर्क पुलिसकर्मियों ने पीछा कर उसे चंद कदमों की दूरी पर ही दबोच लिया। तलाशी के दौरान आरोपित के पास से बटनदार चाकू मिला। जांच में पता चला कि वह जिस स्कूटी का इस्तेमाल कर रहा था, वह सराय रोहिल्ला इलाके से चोरी की गई थी। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, आरोपित मिर्ची पर लूट, झपटमारी और चोरी के 15 आपराधिक मामले पहले से दर्ज हैं। पुलिस ने आर्म्स एक्ट के तहत नया मामला दर्ज कर उसे जेल भेज दिया है।

दिल्ली में आईफोन झपटकर भाग रहे दो बदमाश दबोचे, स्कूटी और मोबाइल बरामद

नई दिल्ली। मध्य जिले के प्रसाद नगर थाना पुलिस की टीम ने स्कूटी पर मोबाइल झपटने वाले दो बदमाशों को रंगे हाथों दबोच लिया। इनकी पहचान करोल बाग के करण रंछोया और जतिन के रूप में हुई है। पुलिस ने इनके कब्जे से झपटा गया आईफोन 17 प्रो और वारदात में शामिल स्कूटी बरामद की है। गिरफ्तार आरोपित पहले भी तीन आपराधिक मामलों में शामिल रहे हैं। उपायुक्त अनंत मित्तल के मुताबिक, 19 फरवरी को एएसआई जोहरीलाल, कांस्टेबल संदीप भाटी, शुभम और अमित नागर शिव मंदिर, बापा नगर के पास पेट्रोलिंग ड्यूटी कर रहे थे। पुलिस टीम को देखकर, दो संदिग्ध लोगों ने मौके से भागने की कोशिश की। संदेह होने पर पुलिस टीम ने पीछा कर उन्हें पकड़ लिया। तलाशी लेने पर उनके पास से एक आइफोन 17 प्रो बरामद हुआ जो उन्होंने पीड़ित से झपटा था।

एआई समिट सुरक्षा के बावजूद दिल्ली में हुई बड़ी लूट, कनॉट प्लेस में रेस्टोरेंट से 6.67 लाख नकदी ले उड़े बदमाश

नई दिल्ली। राजधानी के अति सुरक्षित माने जाने वाले कनॉट प्लेस इलाके में शुक्रवार तड़के एक बड़ी लूट की वारदात सामने आई। कनॉट प्लेस स्थित सिंधिया हाउस के कारीगरी रेस्टोरेंट में सुबह करीब चार बजे चार नकाबपोश बदमाशों ने घुसकर 6.67 लाख रुपये से अधिक नकदी और तीन मोबाइल फोन लूटे और फरार हो गए। बाराखंबा थाना पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल आरोपितों की तलाश में जुटी है। पुलिस के मुताबिक, रेस्टोरेंट के मेंटेनेंस इंचार्ज रमेश शुक्ला घटना के समय अंदर मौजूद थे। उन्होंने बताया कि सुबह करीब चार बजे तेज आवाज सुनकर नीचे पहुंचे तो कैश काउंटर के पास चार लोग खड़े थे, जिनके चेहरे नकाब से ढके हुए थे और हाथ में चाकू थे। शोर मचाने पर आरोपित पीछे की ओर भागे और दीवार फांदकर फरार हो गए। प्रारंभिक जांच में लाकर टूटा मिला और लाकर में रखे 6.67 लाख चोरी थे। इसके अलावा रेस्टोरेंट के दो मोबाइल फोन और सुरक्षा गार्ड का एक फोन भी बदमाश अपने साथ ले गए। पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। वारदात ऐसे समय हुई जब एआइ समिट के कारण पूरे लुटियंस जोन में कड़ी सुरक्षा और निगरानी व्यवस्था लागू थी। इसके बावजूद बदमाश हाई-सिक्योरिटी क्षेत्र में वारदात को अंजाम देकर फरार हो गए।

जेन जी आंदोलन से प्रेरित था कांग्रेस का प्रदर्शन, पुलिस ने कोर्ट को बताया, पांच दिन की पुलिस रिमांड

नई दिल्ली। इंडिया एआई इंपैक्ट समिट कार्यक्रम स्थल पर शर्ट उतारकर प्रदर्शन करने पर गिरफ्तार किए गए यूथ कांग्रेस के चार कार्यकताओं को शनिवार को पटियाल हाउस कोर्ट में पेश किया। दिल्ली पुलिस ने उनकी रिमांड की मांग करते हुए तर्क दिया कि आरोपियों ने राष्ट्र विरोधी नारे लगाए और नेपाल में जेन-जी के आंदोलन की तर्ज पर पर प्रदर्शन किया। पुलिस ने न्यायिक मजिस्ट्रेट के समक्ष दलील दी कि प्रदर्शन का उद्देश्य देश को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बदनाम करना था। यूथ कांग्रेस कार्यकताओं ने भारत मंडपम में अंतरराष्ट्रीय गणमान्य

व्यक्तियों की उपस्थिति में प्रदर्शन किया। न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी (जेएमएफसी) रवि ने दिल्ली पुलिस और अतिरिक्त लोक अभियोजक (एपीपी) की दलीलें सुनने के बाद आरोपियों को पांच दिन की रिमांड पर भेज दिया। गिरफ्तार किए गए कार्यकताओं में बिहार से यूथ कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव कृष्ण हरि, बिहार के आईवाईसी प्रदेश सचिव कुंदन

पटियाला हाउस कोर्ट ने इंडियन यूथ कांग्रेस (आईवाईसी) के चार कार्यकताओं को पांच दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया है। इन सभी को एक दिन पहले एआई इंपैक्ट समिट के कार्यक्रम स्थल पर विरोध प्रदर्शन के आरोप में गिरफ्तार किया गया था।

यादव, उत्तर प्रदेश के आईवाईसी प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार और तेलंगाना के नरसिम्हा यादव शामिल हैं। दिल्ली पुलिस का आरोप है कि प्रदर्शनकारियों ने कार्यक्रम स्थल पर देश विरोधी नारे लगाए और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आपत्तिजनक तस्वीरों वाली टी-शर्ट पहन रखी थी। पुलिस ने अदालत में कहा कि आरोपियों के मोबाइल फोन जब्त करने और उनसे पूछताछ करने की जरूरत है। प्रदर्शनकारी अलग-अलग राज्यों से हैं, इसलिए हिरासत में लेकर पूछताछ जरूरी है। साजिश और फंडिंग की जांच पुलिस के मुताबिक, विरोध के दौरान रोकने की कोशिश में तीन लोग घायल भी हुए। पुलिस ने यह भी कहा कि प्रदर्शन के पीछे किसी साजिश की जांच, फंडिंग के स्रोत और टी-शर्ट कहां छपी थीं, इसका पता लगाना जरूरी है। उधर, प्रदर्शनकारियों की ओर से पेश वकील ने दलील दी कि वे एक राजनीतिक दल से जुड़े हैं और उन्होंने शांतिपूर्ण तरीके से अपने लोकतांत्रिक अधिकार का प्रयोग किया।

वकील ने कहा कि केवल विरोध करने पर गिरफ्तारी लोकतंत्र की भावना के खिलाफ है। पुलिस ने इनके खिलाफ लोक सेवक को आधिकारिक कर्तव्य निभाने से रोकने, लोक सेवक पर हमला करने, घृणास्पद भाषण देने, आपराधिक साजिश आदि के आरोप में मामला दर्ज किया है।

अब केबल चोरी से नहीं थमेगी दिल्ली मेट्रो की रफ्तार, चोरों पर लगाम के लिए डीएमआरसी ने बनाया सख्त प्लान

नई दिल्ली। कापर (तांबा) सिग्नलिंग और पावर केबल की बार-बार चोरी होने से दिल्ली मेट्रो रेल कापोरेशन (डीएमआरसी) को अपने नेटवर्क में बड़े बदलाव करने जा रही है। डीएमआरसी अपने नेटवर्क को चोरी-रोधी बनाने के लिए अपने 175 किलोमीटर के सिस्टम में कापर वायरिंग की जगह एल्युमीनियम वायरिंग लगाने की योजना बना रही है। डीएमआरसी अगले 18 महीनों में 33-किलोवोल्ट कापर वायरिंग की जगह एल्युमीनियम वायरिंग लगाने के लिए 32.59 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। फेल हो जाती है सप्लाई इस प्रोजेक्ट का मकसद बिजली सप्लाई की विश्वसनीयता में सुधार करना है। क्योंकि कापर चोरी की वजह से अक्सर बिजली सप्लाई फेल हो जाती है और सिग्नलिंग में रुकावट आती है, जिससे ट्रेनों को कम स्पीड

पर चलना पड़ता है और देरी होती है। पिछले साल केबल चोरी के 89 मामले सामने आए थे। इनमें से 32 सिग्नलिंग केबल और 22 इलेक्ट्रिकल वायरिंग से जुड़े थे। पिछले साल मार्च में सीलमपुर और वेलकम स्टेशनों के बीच एक बड़ी घटना ने सिग्नलिंग सिस्टम को बुरी तरह से बाधित कर दिया था, जिससे मानसरोवर पार्क और सीलमपुर के बीच ट्रेनों की स्पीड 25 किलोमीटर प्रति घंटा तक धीमी करनी पड़ी थी। इस रुकावट का असर रेड लाइन पर भी पड़ा, जिससे यात्रियों की यात्रा पूरे दिन देरी से हुई। मेट्रो सिस्टम ट्रैक्शन, टेलीकम्युनिकेशन और इलेक्ट्रिकल सिस्टम को सपोर्ट करने के लिए वायडक्ट और टनल से गुजरने वाले सैकड़ों किलोमीटर केबल पर निर्भर करता है। इन केबल को कोई भी नुकसान बेवजह देरी का कारण बनता है। रिस्की होता है बदलना आपरेशन के घंटों के दौरान खराब केबल को बदलना मुश्किल और रिस्की होता है, क्योंकि ट्रेनें हर तीन से पांच मिनट में चलती हैं। केबल को एंटी-थेफ्ट क्लैंप लगाने और कंसर्टिना काइल का इस्तेमाल करने जैसे पहले के बचाव के तरीकों के बावजूद चोरियां जारी हैं। हाल ही में इस साल 11 जनवरी को चोरों ने धौला कुआं और शिवाजी स्टेडियम के बीच एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन पर लगभग 800 मीटर सिग्नलिंग केबल काट ली थी। इस नुकसान की वजह से नई दिल्ली की ओर जाने वाली अप लाइन पर ट्रेनों को कम स्पीड पर चलाना पड़ा। डीएमआरसी को उम्मीद है कि एल्यूमिनियम पर स्विच करके इंफ्रास्ट्रक्चर चोरों के लिए कम आकर्षक टारगेट बनेगा साथ ही इसकी सेवाओं की समय पर डिलीवरी और भरोसेमंदता भी पक्की होगी।

जेएनयू में दलितों पर दिए गए विवादित बयान को लेकर छात्रों ने कुलगुरु का फूंका पुतला, इस्तीफे की मांग तेज

नई दिल्ली। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) की कुलगुरु शांतिश्री डी. पंडित के यूजीसी इक्विटी रेगुलेशन 2026 व दलित और अश्वेत लोग हमेशा पीड़ित बनकर या विक्टिम कार्ड खेलकर आगे तरक्की नहीं कर सकते वाले बयान को लेकर परिसर में विवाद गहराता जा रहा है। छात्र संगठनों और शिक्षक संघों ने बयान को लेकर तीखी आपत्ति जताते हुए कुलगुरु से इस्तीफे की मांग की है। विरोध स्वरूप छात्र संघ ने शनिवार को पुतला दहन कर प्रदर्शन भी किया, जबकि रविवार रात समता जुलूस निकालने का आह्वान किया गया है। जेएनयू छात्र संघ के महासचिव सुनील यादव ने आरोप लगाया कि एक पॉडकास्ट में कुलगुरु ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के इक्विटी रेगुलेशन को अनावश्यक बताया और एक वर्ग विशेष पर टिप्पणी की। उनके अनुसार, यह बयान अस्वीकार्य है और विश्वविद्यालय की समावेशी परंपरा के विपरीत है। वहीं जेएनयू शिक्षक संघ के अध्यक्ष सुरजीत मजूमदार ने टिप्पणी को चौंकाने वाला और शर्मनाकह्व बताते हुए कहा कि इस तरह का वक्तव्य विश्वविद्यालय के मूल मूल्यों से मेल नहीं खाता और कुलगुरु को पद छोड़ देना चाहिए। स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया की केंद्रीय कार्यकारी समिति ने भी बयान की निंदा करते हुए कहा कि जब वंचित समुदायों के छात्र समान अवसर और गरिमा के लिए संघर्ष कर रहे हों, तब शीर्ष पद से इस प्रकार की टिप्पणी गैर-जिम्मेदाराना और असंवेदनशील है। हालांकि पूरे विवाद पर विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। छात्र संगठनों का कहना है कि जब तक स्पष्ट स्पष्टीकरण या कार्रवाई नहीं होती, विरोध जारी रहेगा। इस मुद्दे ने परिसर की अकादमिक राजनीति को एक बार फिर गरमा दिया है और आने वाले दिनों में आंदोलन तेज होने की संभावना जताई जा रही है।

मेरठ-दिल्ली रोड पर वाहन होंगे कम, घटेगा कार्बन उत्सर्जन; सराय काले खां स्टेशन का निरीक्षण कर क्या बोलीं सीएम रेखा

दक्षिणी दिल्ली। सराय काले खां स्थित नमो भारत कारिडोर का शनिवार को मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने निरीक्षण किया। लोकार्पण से पूर्व नेशनल कैपिटल रीजन ट्रांसपोर्ट कारपोरेशन (एनसीआरटीसी) अधिकारियों संग तैयारियों की समीक्षा कर जरूरी निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजधानी दिल्ली से मेरठ का सफर अब आसान, सुविधाजनक और तेज होने वाला है। मेरठ से दिल्ली रोजाना हजारों लोग आते-जाते हैं। इससे न केवल इस मार्ग पर वाहनों की संख्या कम होगी, बल्कि कार्बन उत्सर्जन में भी भारी कमी आएगी। इंफ्रास्ट्रक्चर के

लिअ बड़ी उपलब्धि दिल्ली-मेरठ नमो कारिडोर को इंफ्रास्ट्रक्चर की बड़ी उपलब्धि बताते हुए दिल्लीवासियों की ओर से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार जताया। कहा, 22 फरवरी को लोकार्पण के साथ ही दिल्ली की सड़कों को राहत मिलेगी और सार्वजनिक यातायात में नए मानक स्थापित हो जाएंगे। मेरठ से दिल्ली आने-जाने वालों का न केवल समय बचेगा, बल्कि उन्हें जाम से भी बड़ी राहत मिल जाएगी। बता दें कि दिल्ली-मेरठ नमो कारिडोर का न्यू अशोक नगर से मेरठ साउथ नमो स्टेशन का करीब 55 किमी लंबा हिस्सा पहले से चालू है। सराय काले खां से न्यू अशोक नगर का करीब पांच किलोमीटर लंबा हिस्सा और मेरठ साउथ से मोदीपुरम के बीच 21 किलोमीटर का सेक्शन भी संचालन के लिए तैयार है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 22 फरवरी को मेरठ के मोदीपुरम में दिल्ली-मेरठ नमो भारत कारिडोर का लोकार्पण करेंगे।

दिल्ली के मॉडल टाउन में चार मंजिला घर में आग लगी, बाल-बाल बचे दर्जनभर लोग

बाहरी दिल्ली। मॉडल टाउन के गुजरांवाला क्षेत्र में चार मंजिला इमारत में आग लगने से हड़कंप मच गया। आग तीसरी मंजिल से शुरू हुई और चौथी मंजिल तक फैल गई। हादसे के समय इमारत में दर्जनभर लोग मौजूद थे, सभी समय रहते बाहर आ गए और बड़ा हादसा टल गया। पुलिस के जवानों ने बहादुरी का परिचय दिया और सीढ़ियों के रास्ते 80 वर्षीय बुजुर्ग महिला व एक कुत्ते का रेस्क्यू किया। लपटों में घिरी चौथी मंजिल आग बुझाने के लिए दमकल की 10 गाड़ियों को बुलाना पड़ा। लगभग साढ़े चार घंटे की मेहनत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। आग का कारण शार्ट सर्किट बताया जा रहा है। शनिवार शाम गुजरांवाला क्षेत्र में पेंटामेड अस्पताल के पास चार मंजिला इमारत में आग लग गई। दमकल विभाग को आग लगने की सूचना 5:35 बजे मिली। आग की शुरूआत तीसरी मंजिल से हुई, इसके बाद आग की लपटों ने चौथी मंजिल को भी अपने आगोश में लिया। एक कुत्ते का भी रेस्क्यू किया इमारत में दर्जनभर लोग उपस्थित थे, ज्यादातर लोग खुद बाहर निकलने में सफल रहे, लेकिन 80 वर्षीय बुजुर्ग महिला इमारत में ही फंस गईं। इसी दौरान मॉडल टाउन थाना पुलिस ने बहादुरी का परिचय दिया और हेड कांस्टेबल राज कुमार ने अपनी जान की परवाह किए बिना बुजुर्ग महिला को बाहर निकाला। पुलिस ने एक कुत्ते का भी रेस्क्यू किया। शॉर्ट सर्किट का अंदेशा जताया शुरूआत में दमकल की चार गाड़ियां पहुंची, आग बढ़ती देख छह और गाड़ियों को मौके पर बुलाया गया। रात नौ बजकर 55 मिनट पर आग पर काबू पाया जा सका।

बैंक लोन धोखाधड़ी: दिल्ली हाई कोर्ट ने फर्म के खिलाफ आरोप तय रखने का फैसला रखा बरकरार

नई दिल्ली। छह करोड़ रुपये के बैंक ऋण धोखाधड़ी मामले में एक फर्म और उसके अधिकृत हस्ताक्षरकर्ता के खिलाफ तय किए गए आपराधिक आरोपों को रद करने से दिल्ली हाई कोर्ट ने इन्कार कर दिया है। न्यायमूर्ति सौरभ बनर्जी की पीठ ने माना कि रिकॉर्ड में मौजूद सामग्री से गंभीर संदेह उत्पन्न होता है और इसके लिए पूर्ण सुनवाई आवश्यक है। अदालत ने कहा कि याचिकाकताओं द्वारा पेश सकारात्मक रिपोर्ट में स्पष्ट अनियमितताओं और विरोधाभासों के बावजूद उनके अपराध में संलिप्तता को लेकर गंभीर संदेह उत्पन्न होता है, जिसकी पुष्टि केवल ट्रायल में ही

हो सकती है। उक्त टिप्पणी के साथ अदालत ने विशेष सीबीआई कोर्ट के आदेश को बरकरार रखा। सीबीआई कोर्ट ने याचिकाकताओं के खिलाफ आईपीसी की धारा 120बी के साथ धारा-420 सहित अन्य व भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धाराओं में आरोप तय किए थे। क्या है पूरा मामला? यह मामला कॉरपोरेशन बैंक द्वारा दर्ज कराई गई एक शिकायत से शुरू हुआ था। इसमें आरोप लगाया गया था कि 2013 में एक उधारकर्ता फर्म को छह करोड़ रुपये का ऋण जाली और मनगढ़ंत दस्तावेज के आधार पर स्वीकृत किया गया था। कॉर्पोरेशन बैंक ने मामले में शिकायत करार कर आरोप लगाया था कि 2013 में एक कर्जदार फर्म छह करोड़ वर्किंग कैपिटल लोन जाली और मनगढ़ंत दस्तावेज के आधार पर मंजूर किया था, इसमें झूठे टाइटल डीड और वित्तीय रिकार्ड शामिल थे। जांच के दौरान केंद्रीय जांच एजेंसी (सीबीआई) ने आरोप लगाया कि कर्जदार फर्म और उसके मालिक नकली थे और बैंक के सीनियर अधिकारियों, निजी लोगों और याचिकाकार्तओं ने लोन मंजूर करवाने के लिए एक आपराधिक साजिश रची थी। अभियोजन ने कहा कि याचिकाकताओं ने वित्तीय सत्यापन किए बिना पक्षपात वाली एक रिपोर्ट जमा की थी।

दिल्ली में गुजरती फरवरी के साथ सर्दी की विदाई तय, बढ़ते तापमान से बदला मौसम का मिजाज; आज छाए रहेंगे बादल

नई दिल्ली। दिल्ली में फरवरी के अंतिम दिनों में मौसम करवट ले सकता है। तापमान में लगातार बढ़ोतरी देखी जा रही है, जिससे सर्दी का प्रभाव तेजी से कम हो रहा है। रविवार को सुबह के समय हल्की धुंध छाने का अनुमान है। वहीं, दिन में आसमान पूरी तरह साफ रहने की उम्मीद है। मौसम विभाग की एक रिपोर्ट के अनुसार, दिल्ली में तापमान लगातार बढ़ रहा है और अगले सात दिनों तक यह बढ़ोतरी जारी रहेगी। अधिकतम और न्यूनतम दोनों तापमान सामान्य से अधिक रहने का

अनुमान है। दिनों दिन चढ़ रहा पारा शुक्रवार को अधिकतम 28.4 डिग्री (सामान्य से 2.9 डिग्री अधिक) और न्यूनतम 12.8 डिग्री दर्ज हुआ था। शनिवार को भी 28-30 डिग्री अधिकतम और 12-14 डिग्री न्यूनतम की उम्मीद जताई गई थी। इसी रुझान में 22 फरवरी को

दिल्ली में फरवरी के अंत तक मौसम में बदलाव आ रहा है, जहाँ सर्दी की विदाई हो रही है। तापमान लगातार बढ़ रहा है, जो अगले सात दिनों तक जारी रहेगा। अधिकतम और न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक रहने का अनुमान है।

अधिकतम 29 डिग्री और न्यूनतम 13 डिग्री रह सकता है, जबकि 23 फरवरी को अधिकतम 30 डिग्री और न्यूनतम 15 डिग्री तक पहुंचने की संभावना है। आसमान ज्यादातर साफ रहेगा, हालांकि सोमवार को हल्के बादल छाए रह सकते हैं। सुबह हल्की धुंध या कोहरा आम बात है, लेकिन दोपहर तक मौसम सुहावना हो जाता है। बढ़ता तापमान और स्थिर हवा वायु गुणवत्ता अभी भी चिंता का विषय बनी हुई है। एवरेज एक्यूआई 208-210 के आसपास 'खराब' श्रेणी में है, जहां कई इलाकों में 200 से ऊपर दर्ज किया गया। PM2.5 और PM10 स्तर मानकों से अधिक हैं, जिससे स्वास्थ्य संबंधी सावधानियां बरतने की सलाह दी जा रही है। विशेषज्ञों का कहना है कि बढ़ता तापमान और स्थिर हवा प्रदूषण को बनाए रख रही है। अब हाइड्रेटेड रहना जरूरी मौसम के इस चक्र में दिल्लीवासियों को अब गर्मी का अहसास होने लगा है। सुबह की ठंडक और धुंध दिन में धूप के साथ सुहावने मौसम में बदल जाती है। बाहर निकलने वालों के लिए दिन आरामदायक रहेगा, लेकिन प्रदूषण से बचाव के लिए मास्क का इस्तेमाल और हाइड्रेटेड रहना जरूरी है। मौसम विभाग के अनुसार, अगले कुछ दिनों में तापमान 29-31 डिग्री तक जा सकता है, जो फरवरी के लिए असामान्य रूप से गर्म है।

टी20 विश्व कप: इंग्लैंड ने श्रीलंका को हराकर सुपर-8 का अपना पहला मुकाबला जीता

पल्लेकेले (एजेंसी)। फिल सॉल्ट के अर्धशतक के बाद गेंदबाजों के अच्छें प्रदर्शन से इंग्लैंड ने टी20 विश्व कप 2026 के सुपर-8 के अपने पहले ही मुकाबले में शानदार दमदार प्रदर्शन करते हुए श्रीलंका को 51 रनों से हरा दिया। इस मैच में इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाज़ी करते हुए 20 ओवर में 9 विकेट पर 146 रन बनाये। इसक बाद मेजबान लंकाई टीम लक्ष्य का पीछा करते हुए 16.4 ओवर में 95 रनों पर ही आउट हो गयी।

मेजबान श्रीलंका ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाज़ी का फैसला किया जो सही साबित नहीं हुआ। इंग्लैंड ने खराब शुरुआत के बाद फिल सॉल्ट की 40 गेंदों में 62 रनों की पारी से ठीक स्कोर बना लिया। सॉल्ट ने संयम और आक्रामकता के साथ खेलते हु पारी को संवारा। मध्य क्रम हालांकि टिक नहीं पाया। । श्रीलंकाई गेंदबाज़ों ने अच्छी गेंदबाजी कर इंग्लैंड के अन्य बल्लेबाजों को हावी होने का अवसर नहीं दिया। अंतिम ओवरों में टीम किसी प्रकार 150 के करीब पहुंच पायी।

जीत के लिए 147 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंका की शुरुआत भी अच्छी नहींरही। पावरप्ले के अंत तक आधी टीम 34 रनोंर पर ही सिमट गयी। जैक्स ने लगातार चार ओवर गेंदबाज़ी करते हुए 22 रन देकर तीन विके लिए। वहीं जोफ्रा आर्चर ने नई गेंद से दो अहम विकेट लिए, जबकि लियाम डॉसन और आदिल रशीद ने भी दबाव बनाये रखा। । कप्तान दासुन शनाका ने 30 रन बनाये पर वह टिक नहीं पाये। आदिल रशीद ने अंतिम विकेट लेकर श्रीलंकाई पारी समेट दी।

अल्काराज़ ने कतर ओपन टेनिस खिताब जीता

दोहा (एजेंसी)। स्पेन के कार्लोस अल्काराज़ ने कतर ओपन टेनिस खिताब जीत लिया है। विश्व के नंबर एक खिलाड़ी अल्कराज ने खिताबी मुकाबल में फ्रांस के अर्थुर फिल्स को सीधे सेटों में 6-2, 6-1 से हराया। दोनो में ये मुकाबला केवल 50 मिनट तक चला, जिसमें अल्काराज़ का दबदबा रहा।

इस खिताबी जीत के साथ ही अल्काराज़ ने इस साल 2026 में लगातार 12 मैच जीतने वाले खिलाड़ी बन गये हैं। इससे पहले उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई ओपन जीतकर करियर ग्रैंड स्लैम पूरा किया था। वह चारों ग्रैंड स्लैम जीतने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बने थे। अब उनके टूर खिताबों की तादाद बढ़कर 26 पहुंच गयी है। फाइनल में उन्होंने आक्रामक रुख अपनया जिसका फ्रांसीसी खिलाड़ी के पास जवाब नहीं था। खिताब जीतने के बाद उत्साहित अल्काराज़ ने कहा- साल की शुरुआत वाकई बहुत अच्छी रही है। मैं अपने खेल से बेहद खुश हूं और इसी लय को आगे भी बनाये रखना चाहता हूं। अल्काराज की इस फॉर्म को देखते हुए तय है कि वह इस सत्र में आगे भी खिताब जीतकर नये रिकार्ड बनाएंगे।

किसी भी टीम को हल्के से ना लें, इससे आप लक्ष्य से भटक सकते हो : डैरेन सैमी

मुंबई (एजेंसी)। वेस्टइंडीज के मुख्य कोच डैरेन सैमी ने टी20 विश्व कप के सुपर आठ के रविवार को होने वाले मैच से पहले अपने खिलाड़ियों को आगाह किया कि वह जिम्बाब्वे को किसी भी तरह से कम करके आंकने की गलती नहीं करें क्योंकि इससे वह लक्ष्य से भटक सकते हैं। सैमी ने इसके साथ ही कहा कि जिम्बाब्वे को ग्रुप बी में श्रीलंका और ऑस्ट्रेलिया जैसी वरीयता प्राप्त टीमों के साथ रखे जाने से अतिरिक्त प्रेरणा मिली होगी और उनका मानना है कि इसी वजह से जिम्बाब्वे ने अपनी क्षमता से बढ़कर प्रदर्शन किया और ग्रुप में शीर्ष स्थान हासिल किया।

जिम्बाब्वे ने ग्रुप चरण में पूर्व चैंपियन ऑस्ट्रेलिया और श्रीलंका को हराकर सबको चौंका दिया था। सैमी ने मैच की पूर्व संध्या पर पत्रकारों से कहा, 'ऐसा कम ही होता है कि केवल शीर्ष टीमें ही आगे बढें। मेरी टीम जानती है कि वह विश्व कप में खेल रही है। कल हमारा मुकाबला जिम्बाब्वे से है, फिर दक्षिण अफ्रीका से और उसके बाद भारत से।' उन्होंने कहा, 'हमारे सामने पिछले विश्व कप के दो फाइनलिस्ट हैं। अगर आपको जीतना है तो आपको अपने सामने मौजूद चुनौतियों का सामना करना होगा। इसे हल्के में न लें, किसी को भी कम न समझें। अगर आप अन्य चीजों पर ध्यान देते हैं तो आप लक्ष्य से भटक सकते हैं।'

सैमी ने जिम्बाब्वे के ग्रुप चरण में शानदार प्रदर्शन के बारे में कहा कि उसे वरीयता नहीं मिली थी जिससे वह अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित हुआ। उन्होंने कहा, 'जिम्बाब्वे ने वही किया जो उसे करना चाहिए था। अगर हमें वरीयता नहीं मिली होती या ऐसा कुछ होता और मैं देखता कि यह व्यक्ति (एक प्रतिद्वंद्वी) वहां खेलने जा रहा है तो इससे मुझे प्रेरणा मिलती।' सैमी ने कहा, 'मुझे पूरा यकीन है कि जिम्बाब्वे ने उस टीम को देखकर प्रेरणा और प्रोत्साहन हासिल किया होगा और उसी तरह से खेला होगा। लेकिन (टीमों को वरीयता देने के मामले में) मैं व्यवस्था के दृष्टिकोण से भी समझता हूं। प्रशंसकों को आश्वासन देने की कोशिश करना जरूरी है।'

भारत ए ने बांग्लादेश ए को हराकर दूसरी बार महिला एशिया कप राइजिंग स्टार्स खिताब जीता

बैंकॉक (एजेंसी)। तेजल हसनबिस के अर्धशतक से भारत ए टीम ने यहां खेले गये एशिया कप महिला राइजिंग स्टार्स के फाइनल में बांग्लादेश ए को 46 रनों से हराकर खिताब जीता है। भारत की ओर से तेजल ने 34 गेंदों पर नाबाद 51 रन बनाये। वहीं इसके बाद लेग स्पिनर प्रेमा रावत ने भी 12 रन देकर तीन विकेट लिए ।

इस मैच में भारत ए ने एक समय 44 रन पर 4 विकेट खो दिये थे पर इसके बाद हसनबिस ने कप्तान राधा यादव के साथ पारी को संभाला। राधा ने 30 गेंदों पर 36 रन बनाये। इन दोनो के बीच पांचवें विकेट के लिए 89 रन की साझेदारी हुई। इससे भारत ए टीम 20 ओवर में 7 विकेट पर 134 रन तक पहुंची। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए बांग्लादेश ए टीम टिक नहीं पायी और 19.1 ओवर में 88 रन पर ही आउट हो गयी। बांग्लादेश ए टीम भारतीय गेंदबाजी के सामने टिक नहीं पायी। उसने लक्ष्य का पीछा करते हुए शुरुआत में ही 12 रन पर अपना पहला विकेट खो दिया। तेज गेंदबाज साइमा ठाकोर ने इश्मा तंजीम को पेवेलियन भेजा। वहीं इसके बाद प्रेमा ने शमीमा सुल्ताना को आउट कर दिया। इसके बाद एक के बाद एक विकेट गिरते चले गये।

धवन ने सोफी शाइन से की दूसरी शादी

मुम्बई । पूर्व क्रिकेटर शिखर धवन दूसरी बार दूल्हा बने हैं । धवन ने आयरलैंड की सोफी शाइन के साथ दूसरी शादी रचाई । उनकी शादी में रिश्तेदार और करीबी दोस्त शामिल हुए । धवन ने अपनी शादी की तस्वीरें भी सोशल मीडिया में भी साझा की हैं । इसके साथ ही उन्हें बधाइयां मिलने लगीं । अभिनेता रणवीर सिंह ने भी धवन के अलावा अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडिस ने इस जोड़े को बधाई दी है । रणवीर ने धवन को बधाई देते हुए लिखा, बधाई और भगवान का आशीर्वाद बना रहे भाई, । वहीं कॉमेडियन सुनील ग्रोवर ने लिखा, बधाई हो पाजी और भाभी जी, अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडिस ने दिल वाली इमोजी बनाई। वहीं क्रिकेटर युजवेंद्र चहल ने भी दोनो को बधाई दी है । धवन जहां शेरवानी में वहीं सोफी खूबसूरत लहंगे में नजर आई । शादी की तस्वीरों में दोनो ही बेहद खुश दिखे । धवन और सोफी की सगाई जनवरी में हुई थी। इसके बाद से ही शादी की तैयारी चल रही थी । इनकी सगाई की तस्वीरों को भी प्रशंसकों ने काफी पसंद किया था । ये दोनो ही पिछले काफी सयम से रिलेशनशिप में थे। धवन की पहली शादी ऑस्ट्रेलिया की आयेशा मुखर्जी से हुई थी जिनसे उन्हें एक बेटा जोरावर है । धवन और आयशा के बीच आठ साल के बाद तलाक हो गया था । उसके बाद से ही शिखर अकेले पड़ गये थे ।

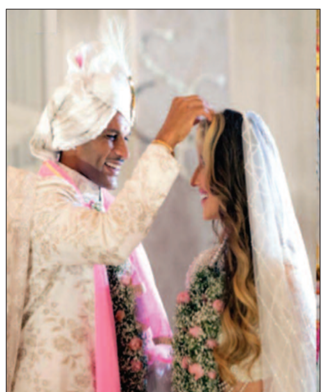

पाकिस्तान को सेमीफानल में पहुंचने सुपर-8 के दोनो मैच जीतने होंगे

कोलंबो । आईसीसी टी20 विश्वकप क्रिकेट के सुपर-8 में पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच हुए पहले मुकाबले के बारिश के कारण रद्द होने के बाद ही दोनो ही टीमों को एक-एक अंक मिले हैं । ऐसे में अब दोनो ही टीमें सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए बचे हुए दोनो ही मैच जीतने पूरी ताकत लगा देंगी । पाकिस्तान के आगे जाने की संभावनाएं अब बचे हुए मैचों के परिणामों पर आधारित रहेंगी । पाकिस्तान को अब अंतम चार में पहुचने न केवल देनो ही मैच जीतना होगा बल्कि ये भी देखना होगा कि उनका रन रेट बेहतर रहे । 24 फरवरी को पाकिस्तान की टीम को इंग्लैंड से खेलना है और उसके लिए ये मुकाबला आसान नहीं रहेगा । इंग्लैंड एक ऐसी टीम है जो किसी भी दिन मैच का पासा पलट सकती है । इसके बाद पाक को संयुक्त रुप से मैच का आयोजर कर रही श्रीलंका से 28 फरवरी को अपना अंतिम सुपर 8 मुकाबला खेलना होगा । अगर पाकिस्तान इंग्लैंड से हार जाता है, तो यह मैच उसे हार हाल में बड़े अंतर से जीतना होगा । भी पाकिस्तान और न्यूजीलैंड की सेमीफाइनल में पहुंचने की संभावना बढ़कर 56.25 फीसदी हो गयी है । वहीं इंग्लैंड और श्रीलंका, जिन्हें अभी बड़े मैच खेलने हैं, उनकी जीत की संभावना घटकर 43.75 फीसदी पाक के पास अब अधिकतम 5 अंक तक पहुंचने का मौका है ।

अपनी तकनीक में बदलाव नहीं करुंगा : अभिषेक

अहमदाबाद। भारतीय क्रिकेट टीम के युवा सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा टी20 विश्वकप में असफल रहे हैं । वह अपने तीनों ही मैचों में खाता नहीं खोल पाये हैं । इसके बाद भी अभिषेक का कहना है कि वह आगे भी अपना खेलने का अंदाज नहीं बदलेंगे भले ही शून्य पर आउट हो जायें । भारतीय टीम अब लीग में जीतकर सुपर-8 में पहुंच गयी है। ऐसे में अभिषेक पर अब रन बनाने का दबाव है। अभिषेक वह पहली ही गेंद से आक्रामक खेलने का प्रयास करते हैं और इसी में कभी-कभी विकेट गंभव देते हैं । ग्रुप स्तर पर वह तीन पारियों में सिर्फ आठ गेंद ही खेल पाए । आंकड़े भी उनके खराब फॉर्म को दिखाते हैं । वह अपनी पिछली सात पारियों में पांच बार शून्य पर आउट हुए हैं. कुल मिलाकर, 40 टी20 अंतरराष्ट्रीय पारियों में से छह में वह बिना रन बनाए पवेलियन लौटे हैं। वहीं इससे उबरने अभिषेक लगातार ट्रेनिंग में मेहनत कर रहे हैं, जिससे अपना फार्म वापस पा सकें । उन्होंने अपने पर दबाव से इंकार करते हुए कहा 卐मैं बस अपनी बल्लेबाजी का मजा लेता हूं, मैंने दो साल पहले दबाव लेना बंद कर दिया क्योंकि मुझे समझ आ गया कि प्रक्रिया मेरे हाथ में है। अभ्यास और ट्रेनिंग मैं नियंत्रित कर सकता हूं, और उसी पर ध्यान देता हूं। मुझे यह पसंद है, इसलिए कोई दबाव नहीं है ।卐अभिषेक जानने है कि हर खिलाड़ी के करियर में ऐसा समय आता है । इसलिए मौजूदा खराब दौर के बाद भी वह अपनी तकनीक में बदलाव नहीं करेंगे क्योंकि इसी ने टी20 में उन्हें नंबर-1 बनाया है । इस बल्लेबाजन ने कहा ' करियर में हमेशा उतार-चढ़ाव आते हैं । कभी रन बनते हैं, कभी नहीं. लेकिन मैंने तय किया है कि मैं अपने तरीके से ही खेलूंगा ।'

रिटायरमेंट की अफवाहों पर फुल स्टॉप, आईपीएल 2026 में फिर दिखेगा 'कैप्टन कूल' का जलवा

चेन्नई (एजेंसी)। चेन्नई सुपर किंग्स के प्रशंसकों के लिए बड़ी खबर सामने आई है। चेन्नई सुपर किंग्स के CEO कासी विश्वनाथन ने पुष्टि कर दी है कि दिग्गज विकेटकीपर-बल्लेबाज़ एमएस धोनी आईपीएल 2026 में खेलते नजर आएंगे।

लगातार उठ रही रिटायरमेंट की अटकलों के बीच यह आधिकारिक बयान सामने आया है, जिससे साफ हो गया है कि धोनी एक और सीजन 'येलो जर्सी' में दिखाई देंगे। कासी विश्वनाथन ने स्पष्ट कहा, 'एमएस धोनी आईपीएल 2026 सीजन के लिए उपलब्ध हैं।'

सीएसके के साथ धोनी की विरासत

धोनी का चेन्नई सुपर किंग्स के साथ सफर ऐतिहासिक रहा है। उनकी कप्तानी में टीम ने 2010, 2011, 2018, 2021 और 2023 में आईपीएल खिताब जीते। 44 वर्ष की उम्र में भी उनका खेल और फिटनेस फैंस को चौंकाते रहे हैं।

2008 से अब तक धोनी सीएसके के स्तंभ रहे हैं। उन्होंने 272 मैचों में 5314 रन बनाए हैं, जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 2019 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ नाबाद 84 रन रहा।

कप्तानी का लंबा सफर

धोनी ने 244 मैचों में टीम की कप्तानी की, जिसमें 145 जीत दर्ज कीं। उनका जीत प्रतिशत 59.42 रहा है।

2022 में कप्तानी रवींद्र जडेजा को सौंपी गई थी, लेकिन टीम के खराब प्रदर्शन के बाद धोनी को बीच सीजन में दोबारा जिम्मेदारी संभालनी पड़ी। 2024 में ऋतुराज गायकवाड़ को कप्तान बनाया गया। 2025 में गायकवाड़ के चोटिल होने पर धोनी ने फिर टीम की कमान संभाली, हालांकि वह सीजन टीम के लिए कठिन रहा।

2026 के लिए रिटेंशन और बड़े बदलाव

आईपीएल 2026 के लिए धोनी को 4 करोड़ रुपये में अनकैप्ड प्लेयर नियम के तहत रिटेन किया गया है। उनके साथ रिटेन खिलाड़ियों में ऋतुराज गायकवाड़, शिवम दुबे, आयुष म्हात्रे, डेवॉल्ड ब्रेविस और नूर अहमद शामिल हैं।

बड़े बदलाव के तहत रवींद्र जडेजा और सैम करन को राजस्थान रॉयल्स में ट्रेड किया गया है। वहीं चेन्नई ने राजस्थान रॉयल्स से संजू सैमसन को अपने साथ जोड़ा है, जिससे टीम की बल्लेबाजी को नई मजबूती मिलने की उम्मीद है।

आईपीएल 2026 के लिए सीएसके की पूरी टीम

कार्तिक शर्मा, प्रशांत वीर, अकील हुसैन, एमएस धोनी, ऋतुराज गायकवाड़, संजू सैमसन, आयुष म्हात्रे, डेवॉल्ड ब्रेविस, शिवम दुबे, उर्विल पटेल, नूर अहमद, नाथन एलिस, श्रेयस गोपाल, खलील अहमद, रामकृष्ण घोष, मुकेश चौधरी, जेमी ओवरटन, गुरजपनीत सिंह और अंशुल कंबोज।

मेस्सी की मौजूदगी में MLS चैंपियन इंटर मियामी को मिली पहले मैच में हार

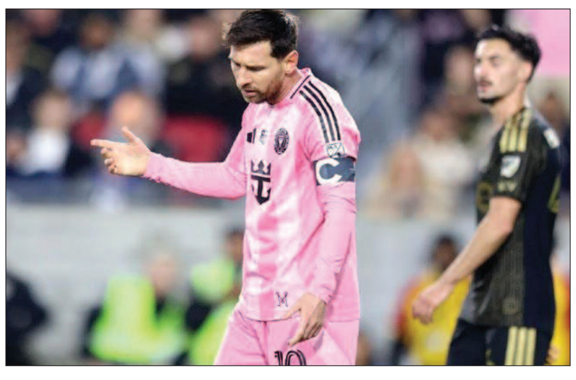

लॉस एंजिलिस । स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेस्सी की मौजूदगी के बावजूद इंटर मियामी ने MLS कप में अपने खिताब के बचाव का अभियान हार के साथ किया । इंटर मियामी को अपने पहले मैच में लॉस एंजिलिस एफसी (LAFC) से 3-0 से हार का सामना करना पड़ा। विजेता टीम की तरफ से डेविड मार्टिनेज, डेनिस बुआंगा और नाथन ऑर्डाज़ ने गोल किए । बुआंगा ने मैच के बाद कहा, 'वह मैच हमेशा खास होता है जिसमें मेस्सी खेलते हैं । हम मेस्सी की मौजूदगी में मियामी को हराना चाहते थे । इस मैच के लिए प्रत्येक खिलाड़ी का मनोबल बढ़ा होता है ।' इस मैच को देखने के लिए ऐतिहासिक लॉस एंजिल्स मेमोरियल कोलिज़ियम स्टेडियम में 75,673 दर्शक उपस्थित थे । दर्शकों ने घरेलू टीम की शानदार जीत का जश्न मनाया और मेस्सी को खेलते हुए देखने का भरपूर आनंद लिया । मेस्सी ने इस महीने हैमस्ट्रिंग में खिंचाव के बावजूद पूरा मैच खेला ।

पांड्या ने बेटे अगस्त्या को उपहार में दी करोड़ों की एसयूवी

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या अपनी महंगी जीवनशैली के लिए जाने जाते हैं । वह हमेशा महंगी घडियां पहने दिखते हैं । इसी कड़ी में अब हार्दिक ने अपने पांच साल के बेटे अगस्त्या को करोड़ों की एसयूवी कार उपहार में दी है । पांड्या का सर्बियाई अभिनेत्री नताशा स्टैनकोविक से तलाक हो गया है पर बेटे का ध्यान दोनो ही मिलकर रहते हैं । अगस्त्या की कस्टडी हालांकि नताशा को मिली है पर हार्दिक उनसे मिलते रहते हैं । इतने छोटे से बेटे को करोड़ों की एसयूवी कार उपहार में दिये जाने से लोग हैरान दी क्योंकि उनके बेटे की उम्र अभी खिलौनों से खेलने की है । सोशल मीडिया पर हार्दिक के अपने बेटे अगस्त्या और पूर्व पत्नी नताशा स्टैनकोविक को दिए गए उपहार की तस्वीर वायरल हो रही है । इसमें हार्दिक का बेटा और नताशा लैंड रोवर डिफेंडर कार लेते दिख रहे हैं । तस्वीर में वेलकम नोट पर साफ-साफ लिखा हुआ है पापा टू अगस्त्या ।

फ्लॉयड मेवेदर जूनियर ने पेशेवर रिंग में वापसी के संकेत दिए

नई दिल्ली । मुक्केबाजी के दिग्गज फ्लॉयड मेवेदर जूनियर ने एक बार फिर पेशेवर मुक्केबाजी में वापसी के संकेत दिए हैं। मेवेदर ने कहा कि वह आधिकारिक पेशेवर मुकाबला लड़ने पर विचार कर रहे हैं, जिससे मुक्केबाजी की दुनिया में हलचल मच गई है । 2017 में कॉनर मैकग्रेगर को हराकर 50-0 का रिकॉर्ड बनाने वाले मेवेदर ने उस मुकाबले के दसवें राउंड में टीकेओ से जीत दर्ज की थी और तुरंत बाद संन्यास की घोषणा की थी। हालांकि, संन्यास के बाद भी मेवेदर पूरी तरह रिंग से दूर नहीं रहे। उन्होंने पेशेवर मुक्केबाजों, एमएमए फाइटर्स और सेलिब्रिटीज़ के खिलाफ कई प्रदर्शनी मुकाबले लड़े। अगस्त 2024 में मेक्सिको में उनका मुकाबला जॉन गोटी तृतीय से हुआ था । अब 2026 में मेवेदर 59 साल के माइक टायसन के साथ मुकाबले की तैयारी कर रहे हैं । यह मुकाबला अप्रैल 2026 में कांगो में प्रस्तावित है और इसे बॉक्सिंग इतिहास के सबसे चर्चित आयोजनों में से एक माना जा रहा है । दोनों फाइटर्स की संयुक्त उम्र 100 वर्ष से अधिक है, लेकिन फैंस के बीच इस इवेंट को लेकर जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है । मेवेदर ने कहा कि उनके इवेंट्स से प्राप्त गेट रेवेन्यू, वैश्विक दर्शक संख्या और कमाई शायद ही कोई और फाइटर हासिल कर सके । टायसन के साथ प्रस्तावित मुकाबला उनकी संभावित वापसी की दिशा में पहला कदम हो सकता है। यदि यह आधिकारिक मुकाबला बनता है, तो यह लगभग नौ साल बाद मेवेदर की पहली पेशेवर फाइट होगी। पांच अलग-अलग वेट डिवीजन में विश्व चैंपियन रह चुके मेवेदर का करियर ऐतिहासिक रहा है । टायसन के खिलाफ होने वाला मुकाबला तय करेगा कि 48 साल के मेवेदर का पेशेवर मुक्केबाज के रूप में भविष्य कैसा होगा । हालांकि, उनके फैंस रिंग में उनकी वापसी देखने के लिए उत्साहित हैं और उन्हें उम्मीद है कि यह मुकाबला मेवेदर के करियर को एक नया अध्याय दे सकता है ।

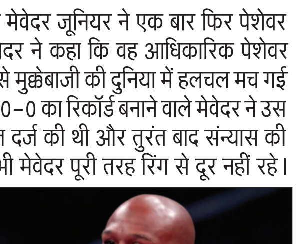

आज कनाडा, अमेरिका सहित कई देशों से खेल रहे भारतीय मूल के खिलाड़ी : प्रधानमंत्री मोदी

सैंटोस (ब्राज़ील) (एजेंसी)। नई दिल्ली (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात में विदेशी टीमों से खेलते हुए नाम देश का नाम रौशन कर रहे भारतीय मूल के खिलाड़ियों की प्रशंसा की है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज टी20 विश्वकप क्रिकेट को ही देख लें। इसमें खेल रहे दुनिया भर के कई देशों में भारतीय मूल के खिलाड़ी नजर आ रहे हैं जो वहां की टीमों से खेलते हुए दोनो देशों का नाम रौशन कर रहे हैं। उन्होंने इस दौरान कनाडा से खेल रहे दिलप्रीत बाजवा, अमेरिका से खेल रहे मोनांक पटेल सहित कई खिलाड़ियों का नाम लिया। प्रधानमंत्री ने कहा, जो खेले वो खिले, खेल हमें जोड़ता भी है। आजकल आप टी-20 विश्व कप के मैच देख रहे होंगे। इस दौरान किसी भारतीय को दूसरे देश की जर्सी पहने भी आपने देखा होगा। उसका नाम सुनकर आपकों लगता है कि ये तो अपने देश का है, तब दिल में खुशी भी होती है कि भारत से बाहर जाकर भी वह वह उस देश की ओर से खेलता है, जहां उसका परिवार बस गया है। वे अपने-अपने देशों की जर्सी पहनकर मैदान में उतरते हैं और पूरे मन से उस देश का प्रतिनिधित्व करते हैं। साथ ही कहा, कनाडा की टीम क ही देख लें, इसमें सबसे ज्यादा भारतीय मूल के खिलाड़ी हैं। टीम के कप्तान दिलप्रीत बाजवा का जन्म पंजाब के गुरदासपुर में हुआ था। नवनीत धालीवाल चंडीगढ़ के हैं। इस सूची में हर्ष ठाकर और श्रेयस मोआ जैसे कई खिलाड़ी शामिल हैं, जो कनाडा के साथ-साथ भारत का भी गौरव बढ़ा रहे हैं। अमेरिका टीम में शामिल कई खिलाड़ी भारत के घरेलू क्रिकेट से निकले हुए हैं। अमेरिकी टीम के कप्तान मोनांक पटेल ने गुजरात की ओर से खेला हैं। मुंबई के सौरभ, हरमीत सिंह, और दिल्ली के मिलिंद कुमार अमेरिकी टीम से खेल रहे हैं।

इसके अलावा ओमान की टीम में भी कई भारतीय हैं जो पहले भारत के अलग-अलग राज्यों से खेले हैं। जतिंद्र सिंह, विनायक शुक्ला, करन, जय और आशीष जैसे खिलाड़ी ओमान क्रिकेट टीम से खेलते हैं। इसके अलावा न्यूजीलैंड, यूएई और इटली की टीमों में भी भारतीय मूल के कई खिलाड़ी हैं। ये भारतीय देश से बाहर जाने के बाद भी देश का गौरव बढ़ा रहे हैं और वहां के युवाओं के लिए प्रेरणा बन रहे हैं। भारतीयता की यही तो विशेषता है, वह जहां भी जायें, अपनी जड़ों से जुड़े रहते हैं। इसी के साथ ही वह जिस देश में रहते हैं, वहां के विकास के लिए सहयोग में भी अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

युवराज सिंह की बायोपिक करना चाहते हैं सिद्धांत चतुर्वेदी

अपनी आगामी फिल्म ' दो दीवाने सहर में' को लेकर चर्चा में बने अभिनेता सिद्धांत चतुर्वेदी ने एक बार फिर अपने उस ड्रीम रोल के बारे में खुलकर बात की है, जो सालों से उनके दिल के बेहद करीब है। जी हाँ, अपने करियर की शुरुआत क्रिकेट पर आधारित वेब सीरीज़ 'इनसाइड एज' से करनेवाले सिद्धांत चतुर्वेदी ने एक बार फिर क्रिकेट की तरफ लौटते हुए भारतीय क्रिकेट के दिग्गज क्रिकेटर युवराज सिंह की बायोपिक करने की इच्छा जताई है।
बायोपिक के संदर्भ में सिद्धांत कहते हैं, 'मैं वर्ष 2019 से कहता आ रहा हूं और आज भी कहूंगा और कहूंगा, बल्कि इसे मैनिफेस्टभी करता हूँ एक दिन मुझे मशहूर क्रिकेटर युवराज सिंह की बायोपिक करने का मौक़ा मिले। उनकी जर्नी एक रोलरकोस्टर की तरह वाकई अविश्वसनीय रही है। मुझे वे न सिर्फ क्रिकेटर के तौर पर पसंद हैं, बल्कि व्यक्तित्व भी उनका शानदार है। मैं उनके क्रिकेट के साथ उनकी लाइफस्टाइल, और समस्याओं के प्रति उनके जज्बे को सलाम करता हूँ, जिस तरह उन्होंने परेशानियों को मात दी। वाकई वे एक आइकन हैं, और दुनिया को उनकी कहानी ज़रूर जाननी चाहिए।'
बतौर अभिनेता अपने हर किरदार में गहराई और सच्चाई दिखानेवाले सिद्धांत चतुर्वेदी की इस बात को सुनकर उनके दर्शक सहज ही कल्पना कर सकते हैं कि जब वे उनके क्रिकेट आइडल की भूमिका निभाएंगे तो वह कितना शानदार होगा। यही वजह है कि अब सिद्धांत के साथ उनके फैंस भी ये मैनिफेस्ट कर रहे हैं कि सिद्धांत जल्द से जल्द युवराज सिंह की भूमिका में नज़र आएं क्योंकि युवराज सिंह की भूमिका वही कलाकार निभा सकता है, जिसमें स्टार प्रेज़ेंस के साथ-साथ भावनात्मक संवेदनशीलता भी हो और इस कसौटी पर सिद्धांत पूरी तरह खरे उतरते हैं। वैसे बायोपिक की बात करें तो सिद्धांत जल्द ही दिग्गज फिल्ममेकर 'वी. शांताराम' का चुनौतीपूर्ण बायोपिक में नज़र आनेवाले हैं और इसके फर्स्ट लुक के साथ ही वे अपने दर्शकों की सराहना भी पा चुके हैं। फिलहाल अपने करियर में वास्तविक जीवन से जुड़ी, विरासत-प्रधान कहानियों के प्रति अपने जुड़ाव को सिद्धांत जिस खूबसूरती से मजबूत करते जा रहे हैं, इससे ये विश्वास और पक्का हो जाता है कि अगर कभी युवराज सिंह की बायोपिक बनी, तो उसके लिए सिद्धांत चतुर्वेदी एकदम परफेक्ट कलाकार होंगे।

राजकुमार राव के समर्थन में उतरीं पत्नी पत्रलेखा; आलोचकों को दिया जवाब

हाल ही में अभिनेता राजकुमार राव को उनके बढ़े हुए वजन को लेकर ट्रोल किया गया था। लोगों ने उन्हें बूढ़ा तक कह डाला था। इसके बाद बीते दिन राजकुमार राव ने आलोचकों को जवाब देते हुए वजन बढ़ाने का कारण भी बताया था। अब अभिनेता की पत्नी व एक्ट्रेस पत्रलेखा ने राजकुमार राव का सपोर्ट किया है। साथ ही उन्होंने ट्रोलर्स पर भी निशाना साधा है।
पत्रलेखा ने राजकुमार राव की एक पोस्ट को अपनी स्टोरी पर शेयर करते हुए अभिनेता का सपोर्ट किया है। राजकुमार राव पर गर्व जताते हुए पत्रलेखा ने स्टोरी पर अपने नोट में लिखा, 'आप पर बहुत गर्व है। आप हर फिल्म प्रोजेक्ट के लिए अपना सब कुछ देते हैं। दुनिया उस प्रोसेस और मेहनत को नहीं देखती, जो एक एक्टर के किरदार को बनाने में लगाता है। आखिरी नतीजा हमेशा आसान दिखता है। नजर आने वाले सारे फेम और ग्लैमर के पीछे, एक एक्टर की जिंदगी खून, पसीने, आंसुओं और पर्सनल लाइफ के त्याग से भरी होती है।'

'निकम' फिल्म के लिए राजकुमार ने बढ़ाया वजन

हाल ही में राजकुमार राव एक इवेंट में शामिल हुए थे। जहां उनके बदले हुए लुक को देखकर लोगों ने उन्हें ट्रोल किया था और बूढ़ा बता दिया था। इसके बाद राजकुमार राव ने अपने इंस्टाग्राम पर एक लंबा-चौड़ा पोस्ट साझा किया था। इसमें उन्होंने बताया था कि उन्होंने अपनी आगामी फिल्म 'निकम' के लिए 9-10 किलो वजन बढ़ाया है। इसके लिए उन्होंने काफी मेहनत की। एक्टर ने पोस्ट में ये भी बताया था कि उन्हें प्रोस्थेटिक मेकप पसंद नहीं है, इसलिए जहां तक संभव होता है वो अपने शरीर पर मेहनत करते हैं। पोस्ट में राजकुमार राव ने अपनी उन पिछली फिल्मों का भी जिक्र किया, जिनके लिए उन्होंने ट्रांसफॉर्मेशन किया।

नेटफ्लिक्स की फिल्म में नजर आएंगे राजकुमार राव

वर्कफ्रंट की बात करें तो अभिनेता आखिरी बार पिछले साल रिलीज हुई फिल्म 'मालिक' में नजर आए थे। हालांकि, फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कोई खास कमाल नहीं दिखा पाई थी। इसके अलावा उनकी आगामी फिल्मों में नेटफ्लिक्स की फिल्म 'टोस्टर' शामिल है। इसमें उनके साथ सान्या मल्होत्रा और अभिषेक बनर्जी भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। इसके अलावा उनकी पाइपलाइन में दो बायोपिक 'निकम' और पूर्व भारतीय क्रिकेटर सौरव गांगुली की बायोपिक भी शामिल हैं।

सीधे ओटीटी प्लेटफॉर्म पर आ सकती है आलिया भट्ट की फिल्म 'अल्फा'

यशराज फिल्म्स ने अपने स्पाई यूनिवर्स के जरिए 'टाइगर' फ्रेंचाइज 'पठान' और 'वॉर' जैसी कई पुरुष प्रधान फिल्में बनाई और दर्शकों का प्यार हासिल किया है। इस यूनिवर्स का हिस्सा आलिया भट्ट और शरवरी वाघ भी बन गई हैं। उनकी महिला प्रधान स्पाई जासूसी फिल्म 'अल्फा' को 2026 में रिलीज किया जाना तय है। हालिया जानकारी में पता चला है कि निर्माता फिल्म को सिनेमाघरों में उतारने की बजाए सीधे ओटीटी पर रिलीज करने की योजना बना रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक...' आलिया स्टारर 'अल्फा' को सीधे ओटीटी पर रिलीज किया जा सकता है। दरअसल, रानी मुखर्जी की फिल्म 'मर्दानी 3' सिनेमाघरों में बढ़िया प्रदर्शन नहीं कर रही है। इसलिए निर्माता कोई रिस्क नहीं लेना चाहते। हो रही हैं। बता दें कि इस फिल्म में बॉबी देओल भी दिखाई देंगे। फिल्म में आलिया और शरवरी के साथ बॉबी देओल भी दिखाई देंगे। यह एक्शन फिल्म होगी।

ऑपरेशन सिंदूर पर फिल्म बना रहे हैं विवेक अग्निहोत्री?

फिल्म 'कश्मीर फाइल्स' फेम निर्देशक विवेक अग्निहोत्री को लेकर ऐसी चर्चा है कि वे पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारतीय सशस्त्र बलों की तरफ से पाकिस्तान के खिलाफ चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर पर आधारित फिल्म बनाने की तैयारी में हैं। ऐसी अफवाहों पर विवेक अग्निहोत्री ने चुप्पी तोड़ी है। कई मीडिया रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि विवेक, टी-सीरीज के साथ मिलकर ऑपरेशन सिंदूर पर फिल्म बनाने वाले हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, एक बातचीत में विवेक अग्निहोत्री ने इस टॉपिक पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा है कि वे एक बड़े नेशनलिस्टिक प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं। हालांकि, उन्होंने और डिटेल्स बताने से मना कर दिया। प्रोडक्शन हाउस के करीबी सूत्रों ने बताया, 'भूषण कुमार और विवेक अग्निहोत्री ने अपनी अगली फिल्म 'ऑपरेशन सिंदूर' के लिए हाथ मिलाया है। इसे टी-सीरीज और आई एम बुद्धा प्रोडक्शन के बैनर तले बनाया जाएगा। विवेक अग्निहोत्री इसके निर्देशन की जिम्मेदारी संभालेंगे। हालांकि, विवेक अग्निहोत्री से जब इस बारे में पूछा गया तो उन्होंने स्पष्ट रूप से कुछ नहीं बताया। उन्होंने न ही पुष्टि की, न ही खारिज किया।

अब लेखिका बनीं अभिनेत्री आयशा शर्मा

अभिनेत्री आयशा शर्मा अपनी रचनात्मक पहचान को एक नया आयाम दे रही हैं। अब वे पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया के साथ बतौर लेखिका डेब्यू कर रही हैं। सोशल मीडिया पर अपनी दमदार मौजूदगी और एक गहराई से जुड़ी कम्युनिटी के लिए जानी जाने वाली आयशा शर्मा ने धीरे-धीरे अपनी एक अलग आवाज बनाई है, जो सिर्फ अभिनय तक सीमित नहीं है। इस किताब के जरिए वह अभिव्यक्ति का एक और रास्ता तलाश रही हैं—एक ऐसा रास्ता जो ठहराव, आत्मचिंतन और भावनात्मक ईमानदारी को जगह देता है। उनकी पहली किताब सौ छोटे-छोटे ध्यानपूर्ण विचारों का संग्रह है, जो ताकत, कोमलता और आत्म-प्रेम के इर्द-गिर्द बुना गया है। रोजमर्रा की भावनाओं से जुड़ी यह किताब खास तौर पर उन लोगों के लिए है जो थकान, आत्म-संदेह और हर वक्त खुद को साबित करने के दबाव से जूझ रहे हैं। यह किताब हल देने का दावा नहीं करती, बल्कि एक ऐसा स्पेस बनाती है जहाँ पाठक खुद को पहचान सकें और एक सुकून भरी तसल्ली महसूस कर सकें। किताब के पीछे की भावना साझा करते हुए आयशा शर्मा कहती हैं, मेरा मानना है कि सही किताब आपको सही समय पर मिलती है। आयशा शर्मा के लिए लेखन उनकी डिजिटल मौजूदगी का स्वाभाविक विस्तार है, जहाँ आत्म-विकास, भावनात्मक संतुलन और अंदरूनी सफर जैसे विषय पहले से ही उनके दर्शकों से गहराई से जुड़ते हैं। यह नया अध्याय उनकी उस कोशिश को दर्शाता है जिसमें वह अभिनय, डिजिटल कहानी कहने और अब लेखन—तीनों के बीच सहजता से सफर करती हुई एक मुकम्मल क्रिएटिव पहचान गढ़ रही हैं।

अक्षय कुमार ने जमकर की आरजे महवश की खिंचाई

'व्हील ऑफ फॉर्च्यून इंडिया' शो का लेटेस्ट एपिसोड काफी मजेदार होने वाला है। इस खास एपिसोड में 100 कंटेंट क्रिएटर्स नजर आएंगे, जिनमें आरजे महवश भी शामिल हैं। हाल ही में जारी प्रोमो में अक्षय कुमार, आरजे महवश की दरअसल, महवश पजल को स्क्रीन पर आने से पहले ही सॉल्व करने की कोशिश कर रही थीं। इसे देखकर अक्षय ने मजाक में कहा, 'किसी का बाप नहीं सॉल्व कर सकता... जो सॉल्व कर देगा उसे मैं 1 करोड़ दूंगा...1 करोड़ छोड़ो, अपनी किडनी भी दे दूंगा।' अक्षय की इस बात पर महवश और वहां मौजूद दर्शकों की हंसी झूट गई। महवश ने भी अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर प्रोमो शेयर करते हुए लिखा, 'इस दिन मेरे साथ जितना गलत हो सकता था, सब हुआ।

शो 'व्हील ऑफ फॉर्च्यून' के बारे में

मजेदार बातचीत और अक्षय कुमार के मजाकिया अंदाज ने इस एपिसोड को लेकर फैंस की एक्साइटमेंट और बढ़ा दी है। अक्षय कुमार का गेम शो 'व्हील ऑफ फॉर्च्यून इंडिया' सोमवार से शुक्रवार रात 9 बजे सोनी चैनल पर प्रसारित होता है। इसके अलावा इसे सोनी लिव ऐप पर भी स्ट्रीम किया जा सकता है। शो में प्रतियोगियों को वर्ड पजल्स सॉल्व करने होते हैं और इसके बदले में उन्हें कैश प्राइज जीतने का मौका मिलता है।

सनी लियोनी ने बताया कैसे की 'कैनेडी' की तैयारी

सनी लियोनी इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'कैनेडी' को लेकर चर्चाओं में बनी हुई हैं। अनुराग कश्यप द्वारा निर्देशित यह फिल्म जल्द ही ओटीटी पर रिलीज होने वाली है। यह वही फिल्म है जो 2023 में कान फिल्म फेस्टिवल में दिखाई गई थी। फिल्म को कई इंटरनेशनल फेस्टिवल्स में काफी सराहना भी मिली है। अब फिल्म भारत में रिलीज को तैयार है। इस बीच बातचीत के दौरान सनी लियोनी ने इस फिल्म, अपने पंद्रह साल के सफर और अपनी बायोग्राफी पर भी चर्चा की।

फिल्म में आपने चार्ली का किरदार निभाया है। कैसा अनुभव रहा?

जब मैं अपने सफर पर नजर डालती हूं तो लगता है कि इतने वर्षों बाद भी 'कैनेडी' मेरे भीतर कहीं न कहीं जिंदा है। मुझे बहुत खुशी है कि यह फिल्म अब ऑडियंस के सामने आने वाली है। मैं इतने समय से इसे अपने भीतर लेकर चल रही थी। अब इसे लोगों तक पहुंचते देखना मेरे लिए बेहद भावुक क्षण है। चार्ली का किरदार अपने आप में एक रहस्य जैसा था। इसमें कई परतें और कई तरह की ऊर्जा थीं। मुझे उसे खुद में उतारना था ताकि वह मेरा हिस्सा बन जाए। निर्देशक अनुराग कश्यप की आवाज और उनका समझाने का तरीका मेरे लिए मार्गदर्शन बनता था। हम रोज काम शुरू करने से पहले पढ़ते और सुनते थे। फिर समझते और कुछ नया खोजते थे।

फिल्म का कौन सा अनुभव सबसे खास रहा?

अनुराग सर ने मुझसे कहा था कि चार्ली की हंसी बिल्कुल वैसी ही चाहिए जैसी वह कल्पना कर रहे हैं। इस हंसी को अपने भीतर लाना मेरे लिए आसान नहीं था। मुझे हर जगह हंसना पड़ता था। कार और लिफ्ट में भी हंसना पड़ता था। सेट पर इतने लोग होते थे कि वे मुझे देखकर सोचते थे कि मैं क्यों हंस रही हूं। कई बार मुझे लगता था कि लोग मुझे पागल समझ रहे होंगे। सच कहूं तो यह बात मुझे और मजेदार लगती थी क्योंकि मुझे मस्ती करना पसंद है और यह चार्ली वाली मस्ती एक अलग तरह की आजादी देती थी। धीरे-धीरे वह हंसी मेरे भीतर बस गई। इससे मैं चार्ली को गहराई से महसूस कर पाई। ये बात मैं कभी भूल नहीं सकती।

क्या अनुराग कश्यप के सामने अपनी बात रखना आसान होता है?

अनुराग कश्यप के साथ काम करते हुए मैं हमेशा सुरक्षित महसूस करती थी। बाहर से लोग सोचते हैं कि वह गंभीर या कठोर होंगे। लोग उनकी फिल्मों या कहानियां देखकर उनके बारे में एक इंटेंस पर्सनालिटी की छवि बना लेते हैं। पर असल में वह बहुत नरमदिल व्यक्ति हैं। उनके सामने बैठकर बात करते समय हमेशा लगता था कि मेरी बात को महत्व मिल रहा है। हर कलाकार को यह एहसास नहीं मिलता कि उसे सुना जा रहा है। उन्होंने मुझे वही बनने दिया जो मैं उस पल बनना चाहती थी। यही वजह है कि उनसे जुड़ा हर अनुभव मेरे दिल में खास जगह रखता है।

जब इस फिल्म को कान फिल्म फेस्टिवल में एंट्री मिली तो पहला रिएक्शन क्या था?

उस वक्त जो खुशी मिली थी उसे शब्दों में नहीं बांधा जा सकता। वहां मुझे एक छोटा सा कागज मिला था, जिसमें मेरी सीट का नंबर लिखा था। वही मेरे लिए सबसे बड़ा अवॉर्ड था। उस टिकट को मैंने आज भी एक किताब के भीतर संभाल कर रखा है। सफलता की सबसे बड़ी परिभाषा क्या है? अवॉर्ड्स कितने मायने रखते हैं?

मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं यहां तक पहुंचूंगी

एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में जब आप दूसरों की सफलताए देखते हैं, तो मन में एक छोटी सी इच्छा उठती है। लगता है कि काश मुझे भी कोई ऐसा अवसर मिले जिसमें मुझे पहचान मिले। यह भावना हर कलाकार के भीतर होती है और मेरे भीतर भी थी। लेकिन मैंने कभी कल्पना नहीं की थी कि मैं एक दिन यहां बैठकर अपने प्रोजेक्ट के बारे में इस तरह बात करूंगी। 15 वर्ष हो चुके हैं और मैं बहुत खुश हूं कि मैं इस मुकाम पर हूं। मेरे जीवन में ऐसे लोग हैं जो हर कदम पर मुझे ऊपर उठाते हैं और आगे बढ़ने की ताकत देते हैं।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।